शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

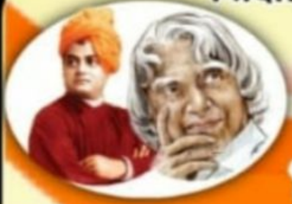

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

काव्यांजलि दैनिक सृजन

1701 से 1800

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 13-03-2021 -दिन- शनिवार

1701

बढ़ो मंजिल की जानिब..

बढ़ो मन्ज़िल की जानिब नौनिहालों,
बिखरते कारवाँ को खुद संभालो।
तुम ही तो मुल्क की ताक़त बनोगे,
पढ़ो और इल्म से खुद को सजालो।।
सजालो इल्म से तुम ज़िन्दगानी,
जहालत के अन्धेरे को मिटालो।
इबारत तुमको लिखनी है वतन की,
क़लम अब नौनिहालों तुम उठालो।।
यही इल्म-ओ-अदब की चाशनी है,
जिसे चाहो उसे अपना बनालो।।
शुरू अब हो गई हैं दरसगाहें,
हर इक बच्चे को फिर घर से निकालो।।
चलो इल्म-ओ-हुनर के रास्ते पर,
सफर मुश्किल है जो आसां बनालो।
है सबसे क़ीमती ये इल्म ज़ेवर,
इसी से क़ल्ब-ओ-जां अपने सजालो।।

खलीक़-ए-नातवां की आरज़ू है,
फक़त इल्मी शमा दिल मे जलालो।

रचना-

खलीक़ अहमद बरेलवी ((स०अ०)
प्रा० वि० तकियापुरवा
निघासन, जनपद- खीरी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 13-03-2021 -दिन- शनिवार

1702

आओ मिलकर पेड़ लगाएँ

आओ मिलकर पेड़ लगाएँ,
हरा-भरा ये देश बनाएँ।
वातावरण को स्वच्छ बनाकर,
सबका जीवन स्वस्थ बनाएँ।।

हम सबका यह फर्ज है बनता,
कम से कम एक पेड़ लगाएँ।
पल-पल बढ़ते प्रदूषण पर,
आओ मिलकर रोक लगाएँ।।

देते प्राणवायु ये जीवन,
दीर्घायु ये हमें बनाएँ।
आओ मिलकर पेड़ लगाएँ,
हरा-भरा ये देश बनाएँ।।

रचना- प्रियंका त्रिपाठी एवं ममता द्विवेदी कक्षा- 8 (छात्राएँ)
उ० प्रा० वि० चित्रवार, क्षेत्र- मऊ (चित्रकूट)

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 13/03/2021 -दिन- शनिवार 1703

रंगों के नाम

आओ चलूँ मैं तुम्हें घुमाने।
बगीचे की सैर कराने।।

रंग-बिरंगे फूल खिले हैं,
देखो कितने रंग मिले हैं।
लाल गुलाब की बात निराली,
काँटों बीच फैली खुशहाली।।

हरे रंग की हरियाली ने,
मेरे मन को मोह डाला।
पीले कनेर की खुशबू ने,
देखो जादू कर डाला।।

नीले सफेद फूलों से देखो,
बगिया कैसे महकी है।
नारंगी रंग को देखा तो,
सारी चिड़ियाँ चहकी हैं।।

आसमानी रंग पर काले रंग का पहरा है।
इन रंगों के बीच हमें सदा ही रहना है।।

रचना- रीना रानी (स०अ०)
प्रा० वि० सरूरपुर कलां-2
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

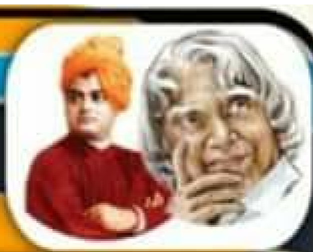

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 13-03-2021 -दिन- शनिवार

1704

गर्व से कहो हम नारी हैं

जन्म लिया है इस धरा में,
करने को कुछ नया सृजन।
जानो स्वयं के आत्मबल को,
ना जाने दो व्यर्थ जीवन।।

इतिहास के पन्नों को पलटो,
जानो नारी की महानता को।
हँसते-2 जन्मभूमि पर मिट गई,
सम्मान दिलाया नारी जाति को।।

शक्ति, धैर्य, करुणा, साहस की,
तू है जब अजब मिसाल।
अवसर मिला है तुझे अब,
कदम तू बाहर तो निकाल।।

नहीं हैं ऐसा कार्य कोई,
जिसे नारी ना कर सके पूर्ण।
सृष्टि की उत्कृष्ट रचना नारी,
ज्ञान, शक्ति, ऐश्वर्य से परिपूर्ण।।

रचना -
डॉ०विनीता खाती (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० गाड़ी,
ताड़ीखेत, अल्मोड़ा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 13.03.2021 -दिन- शनिवार

1705

ए० टी० एम० मशीन

हाँ ए० टी० एम० मैं हूँ,
हाँ ए० टी० एम० मैं हूँ।
ऑटोमेटेड टेलर है नाम मेरा बच्चों।
पैसे सब को देना है काम मेरा बच्चों।।

मुझको जानो समझो लन्दन से आया,
1987 में मुंबई में था गया लाया।
तब से सबके दिल को भा गया हूँ मैं बच्चों,
मेरे नाम अनेक हैं सुन लो प्यारे बच्चों।।

कोई कैश पाइन्ट कहता, कहे कोई कैश मशीन,
पर प्यार से सब हमको कहते ए० टी० एम० बच्चों।
जब कहर नोट बन्दी का हो और बैंक बन्द होवे,
ऐसे में साथ सभी का देता ए० टी० एम० बच्चों।।

सबके लिए चौबीस घंटे चलता हूँ मैं,
फिर भी स्थान वही मेरा है सुनो बच्चों।
तुम भी मेहनत करना सीखो प्यारे,
मेहनत का फल मीठा होता है सुनो बच्चों।।

रचना
सुनीता यादव (प्र०अ०)
प्रा० वि० फत्तेपुर मीराबेहड़
हरगाँव, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 13-03-2021 -दिन- शनिवार

1706

नारियाँ

स्वाभिमान संग अब जी रहीं नारियाँ।
घूँट खुशियों के अब पी रहीं नारियाँ।।

माता बनकर सृष्टि रच रहीं नारियाँ।
छाँव ममता की सबको दे रहीं नारियाँ।।

बाँट अमृत खुद विष पी रहीं नारियाँ।
धोखा खा कर फिर सम्भल रहीं नारियाँ।।

चूल्हा चौका संग देश चला रहीं नारियाँ।
होकर शिक्षित परचम लहरा रहीं नारियाँ।।

सीमा पर दुश्मन को धूल चटा रहीं नारियाँ।
बस, ट्रेन क्या अब यान उड़ा रहीं नारियाँ।।

दूषित परम्पराओं को मिटा रहीं नारियाँ।
सीढियाँ सफलता की चढ़ रहीं नारियाँ।।

समाज के हर प्रश्न का उत्तर दे रहीं नारियाँ।
पुरुषों संग कंधा मिलाकर चल रहीं नारियाँ।।

हर मुश्किल घड़ी में मुस्कुरा रहीं नारियाँ।
बंजर में भी उपवन खिला रहीं नारियाँ।।

रचना
अनीता शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गौरी गंगा प्रसाद
भाग्यनगर, औरैया।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 13-03-2021 -दिन- शनिवार

1707

शिक्षक पिता तो शिक्षिका माँ के समान है..

भाग- 1

शिक्षक पिता तो शिक्षिका माँ के समान है,
स्कूल इस तरह मेरे बच्चे की शान है।

यहाँ से दिल व दिमाग़ को मिलती है रोशनी,
बुनियाद है यही मेरे बच्चों के इल्म की।
इन के ही दम से आती है बातों में चाशनी।।
मेरा नहीं ये अहले क़लम का बयान है...
शिक्षक पिता तो....

जीवन गुजारने के मिलेंगे यहाँ उसूल,
स्कूल छोड़ देने की बच्चे करें न भूल।
गुलशन है दर्सगाह तो बच्चे यहाँ के फूल।।
उस्ताद इस चमन के लिए बागबान है...
शिक्षक पिता....

नस्लें सुधारने का सलीका सिखा दिया,
तालीम व तरबियत से दिलों को सजा दिया।
फिर कामयाब रहने की दिल से दुआ दिया।।
बच्चे के हर विकास पे इनको गुमान है...
शिक्षक पिता...

रचना-
शाकिर सुल्तान पुरी (स०अ०)
प्रा० वि० बहुबरा
जनपद- सुल्तान पुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

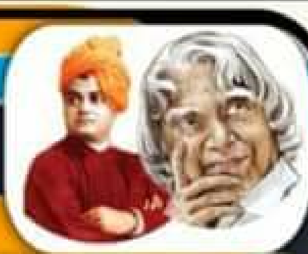

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 13-03-2021 -दिन- शनिवार

1708

प्यारे बच्चों

न करना गुस्सा प्यारे बच्चों,
इससे बुद्धि का क्षय होता है।
यदि करते हो तुम प्रायश्चित,
तो ये पाप को खा जाता है।।

न करो लालच तुम कभी,
ये ईमान को खा जाता है।
जीवन में नहीं करना अहंकार,
ये अपनी गलती नहीं बताता है।।

यदि करते हो चिन्ता जीवन में,
तो ये आयु को खा जाती है।
मतलबी न बनना कभी तुम,
इससे इज्जत नहीं होती है।।

बने जहाँ तक इस जीवन में,
सद मार्ग पर चलते रहना।
सत्कर्म करके अपने जन्म को,
सदा ही तुम आदर्श बनाना।।

रचना
अनुपमा जैन (स० अ०)
पू० मा० वि० मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 15.03.2021 -दिन- सोमवार

1709

रेखा की परिकल्पना

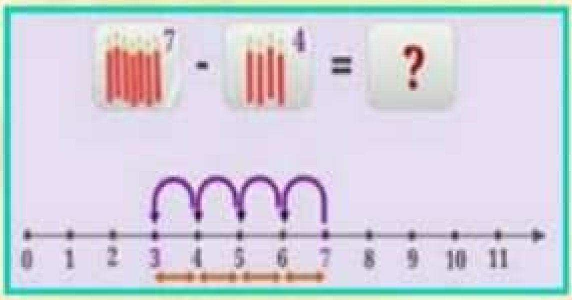

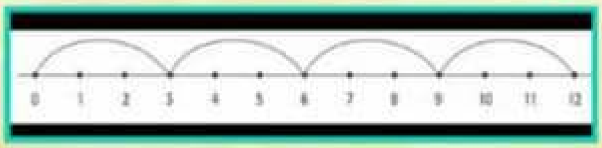

एक बिन्दु से चलकर सीधी,
दूसरे बिन्दु पर रुकती।
वो कहलाती है सरलरेखा,
इससे आकृति भी बनती।।

सीधी सरलरेखा का बच्चों!
विस्तार अपरमित होता।
जितना आगे इसको खींचोगे,
उतना नाप बड़ा ही होता।।

रेखा के दोनों बिन्दुओं का,
कोई अन्त्य बिन्दु नहीं हो सकता।
दोनों ओर अनन्त तक जितना जाए,
नाप बड़ा होता जाता।।

सीधी सरलरेखा को विभाजित करके,
बच्चों! हमें रेखाखण्ड मिलते।
सभी विभाजित भागों को जोड़ें तो,
रेखाखण्ड, रेखा की नाप के बराबर होते।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 15-03-2021 -दिन- सोमवार 1710

महा शिवरात्रि

आई महादेव की पावन रात्रि,
हर घर में करेंगे सब दिया बाती।
संग मिलकर हम करेंगे,
मन्दिर में महादेव की आरती।।

शिव, शम्भु, वामदेव, जय केदार,
न जाने कितने हैं तुम्हारे प्रिय नाम।
हर नाम के पीछे छिपी हुई है,
प्रभो! तुम्हारी अलग पहचान।।

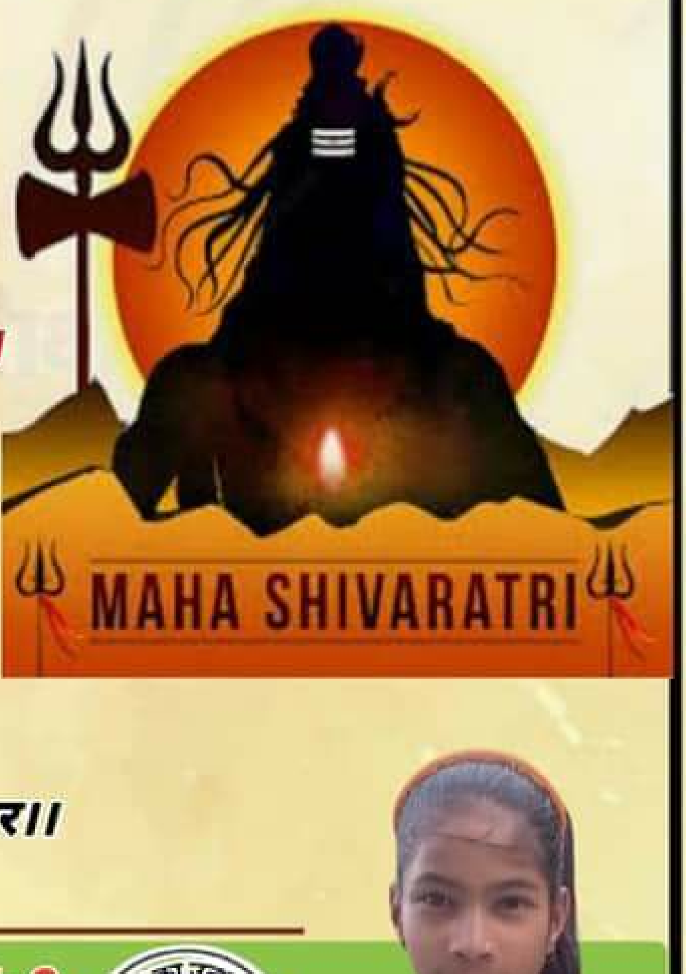

तुमने रचा सकल संसार,
तेरी जटाओं में गंगा का भार।
रखी तुमने भागीरथ की लाज,
किया तुमने उनके पुरखों का उद्धार।।

रचना-
कु० सृष्टि नेगी (छात्रा) कक्षा- 8,
रा० उ० प्रा० वि० सारी,
ब्लॉक- ऊखीमठ,
जनपद- रुद्रप्रयाग (उत्तराखण्ड)

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 15/03/2021 -दिन- सोमवार

1711

महाशिवरात्रि पर्व

भोलेनाथ, भोले बाबा, महादेव शिव कैलाशी।
पार्वती पति, शम्भू-शंकर, काशीपति अविनाशी।।
जटाजूट गंगा, भस्मी रमाए हुए, सर्पों की माला है।
अवधूत, औघड़नाथ, हाथों में लिये हुए कपाल है।।

हलाहल विष पीकर आप नीलकण्ठ कहलाए।
ब्रह्मा, विष्णु, महेश मिलकर त्रिदेव कहलाए।।
राम जी की मदद की हनुमत का अवतार लिया।
भक्ति की महिमा बतलाकर सबका उद्धार किया।।

प्रलय करने को आप ही हो जाते प्रलयंकारी।
सगुण रूप में पूजे जाते बन कर भोले भण्डारी।।
भक्तों को सबकुछ दे देते रखते नहीं खजाने में।
तीन लोक बस्ती में बसाकर आप बसे वीराने में।।

आज ये सुन्दर पावन पर्व शिवरात्रि का आया है।
दर्शन करके युगल चरण के मन मेरा हर्षाया है।।
हाथ जोड़कर विनती भोले दुनिया पर उपकार करो।
सुखी हो जाए सभी इस जग में सबका बेड़ा पार करो ।।

अरुण गौतम (स०अ०)
रा० प्रा० वि० गाडोवाली
ब्लॉक -बहादराबाद
जिला-हरिद्वार

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 15/03/21 -दिन- सोमवार **1712**

नया सवेरा

नया सवेरा आया है,
नया सवेरा आया है।
आशा की किरणों के संग,
नयी उम्मीदों की किरणों के रंग।।

नित मुश्किल आएगी जब भी,
होगा मन विचलित, शंकित जब भी।
तुम निश्चय कर उठना तब,
तुम दृढ़ संकल्पित होना तब।।

एक भाव उमड़ जब भी आए,
ना होने वाला तुमसे ये अब।
करना हिम्मत तुम दृढ़ मन से,
होगा हर काम सरल, सफल तब।।

मुश्किल तो हर वो लम्हा था,
जब धरती पर तुमको जन्म मिला।
ना खोना हिम्मत ये सोचकर तुम,
ना हो पाएगा तुमसे अब ये सब।।

रचना
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० ख़ंजनपुर
इस्लामनगर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 15-03-2021 -दिन- सोमवार

1713

मिशन शिक्षण संवाद

वाद कुछ विवाद हो,
संयुक्त संवाद हो।
प्रश्न के जवाब में,
उत्तर लाजवाब हो।।

कर्ण-कर्ण जब सुने,
सुनने की चाह हो।
तनमन मस्तिष्क पर,
आंतरिक प्रभाव हो।।

विचार सुविचार हो,
जीव मिलनसार हो।
सकारात्मक सोच में,
कर्तव्य अनुसार हो।।

नेत्र-नेत्र परिदृश्य में,
अलंकरण नवाचार हो।
साथ हर समय लक्ष्य,
शिक्षण संवाद हो।।

रचना
ऋषि दीक्षित (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय भटियार
निधौली कलाँ, एटा

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

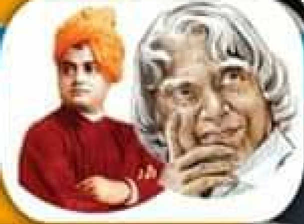

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 15-03-2021 -दिन- सोमवार

1714

महिला दिवस

आज जमाने ने एक शोर रचा है।
'महिला दिवस', 'महिला दिवस' चहुँ ओर मचा है।।
सब पर्दे की कहानी है,
कहीं हँसी तो कहीं आँख में पानी है।।

सपना होगा सच उस दिन जब,
हर लड़की मुस्काएगी।
सुंदर कल का सपना लिए,
वो आगे दौड़ लगाएगी।।

निश्चय ही सच होगा उस दिन,
'भारत निर्माण' का ये 'संकल्प'।
उन्नति और प्रगति का अब ना होगा कोई और विकल्प।।

आओ मिलकर कदम बढ़ाएँ,
सच्चे 'महिला दिवस' को सच कर दिखलाएँ।

रचना
प्रिन्सेस (स०अ०)
पू० मा० वि० अमौआहार
सहार, औरैया।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-
15-03-2021 सोमवार

1715

सोना-मोना

सोना-मोना दो बहनें,
चपल चतुर वाचाल।
एक दूजे के बिना न गलती,
इन दोनो की दाल।।

एक पल में लड़े लड़ाई,
दूजे पल में प्यार।
गर आये संकट पहली पर,
तो दूजी तैयार।।

दादी लायी एक स्वेटर,
सोना के मन भाया।
पर मोना को मिला नही तो,
सोना ने ठुकराया।।

समझ गई दादी तो लाई,
दो स्वेटर एक जैसे।
सोना-मोना दोनों छूमें
भला रूकें अब कैसे।।

रचना
दीपा गुप्ता (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय बराखेमपुर
बीकेटी, लखनऊ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

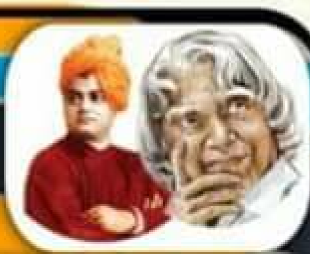

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 15/03/2021 -दिन- सोमवार

1716

शिक्षण संग्रह

शिक्षण संग्रह एक हथियार है,
जो शिक्षा में डाले नयी धार है।
या कहे एक ऐसी तलवार है,
समस्याओं पर करारा प्रहार है।।

शिक्षण संग्रह के हैं छः प्रमुख भाग,
जो हर शिक्षक के लिए है सौभाग्य।
पहला शिक्षण संग्रह का मूल्य बतलाए,
दूसरा प्रभावी शिक्षण की सीढ़ी समझाए।।

तीसरा व्यक्तित्व विकास कार्ययोजना समझाता,
सहशैक्षिक व खेल गतिविधियाँ भी सिखलाता।
चौथा सीखने के लिए आकलन है बतलाता,
आकलन क्यों करना यह भी है समझाता।।

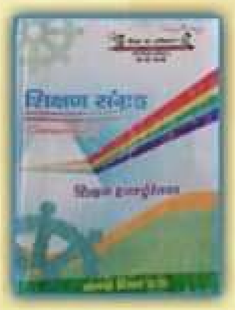

पाँचवाँ विद्यालय नेतृत्व कराता,
नेतृत्व के गुण, प्रकार दिखलाता।
छठवाँ परिशिष्ट है, अति विशिष्ट,
सारी जानकारी दे, अति घनिष्ठ।।

रचना
सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 15-03-2021 -दिन- सोमवार

1717

नारी शक्ति को प्रणाम

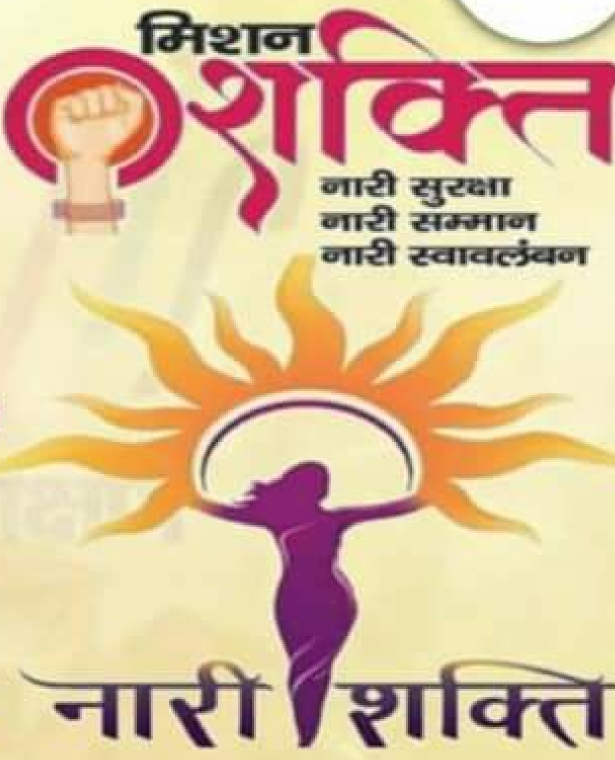

माँ का इसमें प्यार बसा,
बहन का भी दुलार बसा।
जग में है तेरा ही नाम,
ऐसी नारी शक्ति को मेरा प्रणाम।।

दर्द छुपा कर हर काम करें,
बिल्कुल ना आराम करें।
हरदम सुबह हो या शाम,
ऐसी नारी शक्ति को मेरा प्रणाम।।

घर हो या विद्यालय,
खेत हो या औषधालय।
हर जगह बस काम ही काम,
ऐसी नारी शक्ति को मेरा प्रणाम।।

कहीं गुरु, पुलिस कहीं डॉक्टर,
कहीं जज, वकील, कहीं कलेक्टर।
चर्चा तेरा ही है, खास हो या आम,
ऐसी नारी शक्ति को मेरा प्रणाम।।

रचना
नरेन्द्र कुमार वर्मा (प्र० अ०)
प्रा० वि० चंडौस ,अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 16/03/2021 -दिन- मंगलवार

1718

"बेटी की पुकार"

मेरे घर जब भाई हुआ,
खूब बजी शहनाई माँ।
मैं भी तो थी अंश तुम्हारा,
या मैं थी कोई परायी माँ।।

भईया को नयी साईकिल ला दी,
मेरे हिस्से तो, चप्पल भी ना आयी माँ।
भईया को भर-भर दूध मलाई,
पर,मेरा पेट भी ना भर पायी माँ।।

भईया की कॉपी पेन्सिल देख,
मैं भी बड़ी ललचायी माँ।
शिक्षा पर अधिकार मेरा भी,
यही समझ ना पायी माँ।।

मुझको भी तो अवसर दो,
मैं भी आगे बढ़ जाऊँ माँ।
नन्हे-नन्हे पग से अपने,
पर्वत पर चढ़ जाऊँ माँ।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- स्नेहलता(स०अ०)
प्रा०वि०नाँरगपुर,
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

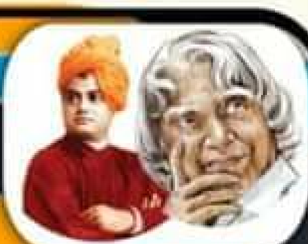

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-
16-03-2021 मंगलवार

1719

शिक्षक अभिभावक संवाद

तर्ज- कौन दिशा में लेके.....

पढ़न-लिखन की यही है उमरिया,
कहीं गए जो पिछड़,
समय जाएगा निकल।
जरा ध्यान धरो, ध्यान धरो..

मम्मी-पापा तुम सब सुन लो,
क्या कहती सरकार हो।
शिक्षित देश का सपना करें हम,
मिलकर के साकार हो।।

हम तो अकेले कर न सकें कुछ,
जब तक न हो तुम साथ हो।
बच्चों को दिखाओ स्कूल की डगरिया....

फ्री ड्रेस और खाना फ्री है,
सरकारी स्कूल में।
बच्चे न भेज के काम चलेगा,
ना रहना इस भूल में।।

इनके संग खिलवाड़ करो ना,
पढ़ने दो दिन-रात हो।
यही तो रोशन करेंगे नगरिया..

रचना
रश्मि (प्र०अ०)
प्रा०वि० गुलाबपुर
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

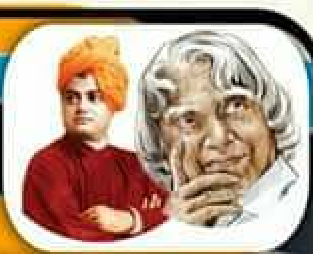

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 16/03/2021 -दिन- मंगलवार

1720

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस,
पन्द्रह मार्च को मनाते सब ये दिवस।
अधिकारों-ज़रूरतों की बढ़े जागरूकता,
मनाती है यह दिवस विशेष सब जनता।।

उपभोक्ता को मिले सही जानकारी,
बचे धोखे से करें पहले से तैयारी।
रखें सेवा, गुणवत्ता, सामर्थ्य की जानकारी,
मात्रा, क़ीमत, मानक, शुद्धता की जानकारी।।

उपभोक्ता संरक्षण के नियमों को जान लें,
क्या है सही? क्या है ग़लत? पहचान लें।
बुद्धि-विवेक के साथ निर्णय लें,
अपने धन-समय के साथ चलें।।

भ्रमित न हो छूट देखकर,
खरीदें समान नाप-तौल कर।
जानकारी रखना है बहुत ज़रूरी,
अधिकारों के साथ शर्त करें पूरी।।

रचना-
रूखसाना बानो (स०अ०)
उ०प्रा०वि० अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 16/03/2021 -दिन- मंगलवार

1721

'हमारी बेटियाँ'

कितनी प्यारी होती बिटिया,
बनाए महल चाहें हो कुटिया।
प्यार साथ में भर-भर लाए,
अदाएँ उसकी सब को भाए।।

छन-छन करती घूमे घर में,
फूल के जैसे महके आँगन में।
गूँज से उसकी होती रौनक,
जताए कभी ना जो अपना हक़।।

रूठ कभी जो हमसे जाए,
हृदय हमारा बेचैन हो जाए।
बस एक उसकी मुस्कान पर,
घर पूरा हो जाए न्योछावर।।

हमारे दु:ख से विचलित होती,
धैर्य कभी ना यह है खोती।
सहारा बनकर साथ है देती,
बोझ नहीं ये बोझा ढोती।।

रचना-
प्रतिमा पोद्दार (स०अ०)
प्रा०वि०मनोहरपुर कायस्थ
लोधा,अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

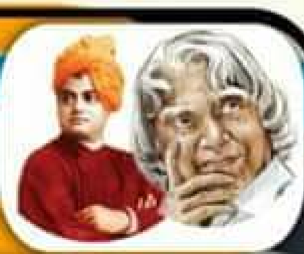

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 16/03/2021 -दिन- मंगलवार 1722

हे! भारती नमन है।

हे! भारती नमन है,
माते तुम्हारा वन्दन।
अपनी दया से कर दो,
इस धूल को भी चन्दन।।

हे वीणा वादिनि माँ,
अज्ञान को हरो तुम।
बस ज्ञान का उजाला,
हर दीप में भरो तुम।।

अपनी दया से माता,
सबको बनाओ ज्ञानी।
हर लो तिमिर हृदय से,
रहे कोई न अज्ञानी।।

गंगा बहेगी पावन,
मन हों सभी के निर्मल।
भारत की भूमि कर दो,
हे! वीणा वादिनी उज्ज्वल।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

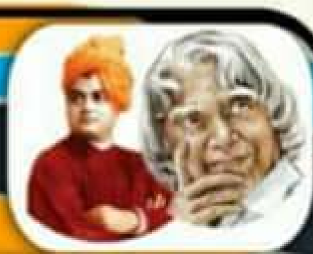

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 16.03.2021 -दिन- मंगलवार

क्रमांक 1723

मधुमास है आने वाला

चैत्र शुक्ल पक्ष, प्रथम तिथि को,
सृष्टि को आरम्भ देने वाला।
ग्रह-नक्षत्र परिवर्तन के संग,
अब मधुमास है आने वाला।।

नव उल्लास, हृदय आह्लादित,
धर्म में आस्था बढ़ाने वाला।
विष्णु के अवतार रूप में,
नवरात्र है आने वाला।।

प्रकृति को सौंदर्य प्रदान कर,
नव अनाज घर लाने वाला ।
धरती पर परमब्रह्म रूप में,
चैत्र मास है आने वाला।।

आत्मबल और उत्सव को जन्म देकर,
सृष्टि में उमंग भरने वाला।
आनन्दमय मंगल गीत सुनाने,
नव-बसन्त है आने वाला।।

रचना:-
ललिता जोशी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० पुगौर
ब्लॉक- मूनाकोट, पिथौरागढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

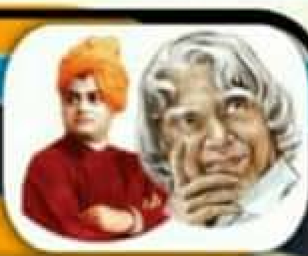

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 16/03/2021 -दिन- मंगलवार **1724**

माँ

माँ तू है प्यारी प्यारी-प्यारी,
सारे जग से न्यारी-न्यारी।
तेरा आँचल हमको जीवन देता,
प्यार भरा सा आँगन देता।।

हमको सारे सुख देती,
खुद दुखों से भर जाती।
हमको खाना दे देती,
पर खुद भूखी रह जाती।।

जैसे तेरे आँचल में भगवान पले,
वैसे ही माँ हम भी पले।
कभी तू बन जाती प्यारी मूरत,
कभी तू बन जाती गुस्से वाली सूरत।।

तेरे चरणों में चारों धाम,
ऐसी माँ को मेरा प्रणाम।
माँ तू ही है प्यारी-प्यारी,
सारे जग से न्यारी-न्यारी।।

रचना-
रिया पाण्डे (छात्रा)
कक्षा-7
रा० उ० प्रा०वि० बगोटी,
ब्लॉक-लोहाघाट, चम्पावत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 17-03-2021 -दिन- बुधवार

1725

आलू की बारात

तर्ज- यूपी वाला ठुमका लगाओ कि हीरो जैसे.....

आलू की बारात आयी,
कि धनिया मिर्ची नाचन को आयी।
संग-संग ओहो
संग-संग नाचे मूली ताई,
कि धनिया मिर्ची नाचन को आयी।।

घूँघट में से झाँक रही मटर,
लाली लगा के सही है गाजर।
शर्म से लाल टमाटर भाई,
कि धनिया मिर्ची नाचन को आयी।।

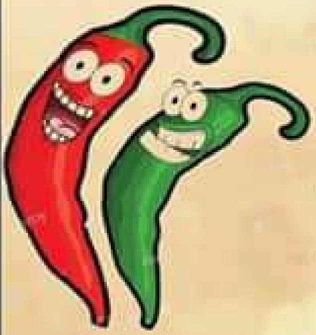

पालक, मेंथी, सरसो सज गयी,
बथुआ की शहनाई बज गयी।
मॉडर्न ब्रोकली है छायी,
कि धनिया मिर्ची नाचन को आयी।।

खुशी लुटाए बैंगन पप्पा,
जीजा कद्दू फूल के कुप्पा।
उनको मनावन गोभी आयी,
कि धनिया मिर्ची नाचन को आयी।

रसोई में छा गई आज बहार,
लगता जैसे आया कोई त्योहार।
मालकिन ने मिक्स सब्जी बनायी,
भिण्डी की रह गई मुँह दिखायी।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 17/03/2021 -दिन- बुधवार

1726

भारत की बात

आओ सीखें और सिखाएँ,
अपने देश का ज्ञान कराएँ।
हमारा देश भारत महान,
चहुँओर इसका गौरव गान।।

भारत का सर्वोच्च पर्वत,
नाम है इसका K2 पर्वत।
सबसे लम्बी पर्वत श्रृंखला,
हिमालय पर्वत है अलबेला।।

भारत की सबसे छोटी नदी,
है राजस्थान में अरवरी।
है सबसे लम्बी गंगा नदी,
नाम है दूजा भागीरथी।।

वर्ल्ड वन के नाम से जानी जाती,
भारत की सबसे ऊँची इमारत कहलाती।
जानो सबसे लम्बा है प्लेटफॉर्म,
गोरखपुर जंक्शन इसका नाम।।

रचना

रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुन नगर
खैराबाद, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 17.03.2021 -दिन- बुधवार

1727

माता

जग में सबसे प्यारी माता,
इसका सबसे सच्चा नाता।
ममता की सागर है माता,
प्यार की गागर है माता।।

जन्म देकर पाल-पोसकर,
चलना हमें सिखाती माता।
गिर-गिर कर खड़े हो जाना,
आगे बढ़ना सिखाती माता।।

दु:ख पीड़ा और कष्ट सहन कर,
अपने गले लगाती माता।
झूठ-कपट से बच कर रहना,
नैतिक पाठ सिखाती माता।।

सभी हमारे भाई-बहन हैं,
यह मानव धर्म सिखाती माता।
सदा ही सबमें समता रखती,
तभी तो गुरु कहलाती माता।।

रचना:-
विजयलक्ष्मी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० चन्द्रनगर,
ब्लॉक-रामनगर, नैनीताल

मिशन शिक्षण संवाद — शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

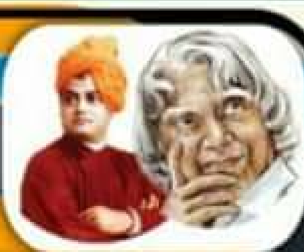

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 17.03.2021 -दिन- बुधवार 1728

बसन्त ऋतु

आयी बसन्त ऋतु आयी,
जीवन में सबके उमंग लायी।
यह ऋतुराज कहलाई,
आयी बसन्त ऋतु आयी।।

हुई शुभ कार्यों की शुरुआत,
लाई खुशियों की सौगात।
खेतों में खिल गई सरसों पीली- पीली,
नभ में उड़े चादर नीली-नीली।।

किसानों के चेहरे खिले,
धरती से जैसे यूँ मिले।
उमंग से करने लगे सब काज,
गगन में उड़ान भरते चील, कबूतर, बाज।।

कलियों में मुस्कान है, फूलों में बहार है,
प्रकृति सौंदर्य स्फुटित हो रहा यह जहान है।
थम गया शिशिर बसन्त का हो गया आगाज,
ऋतु सुहानी सी लगती आज।।

रचना-
मंजू लिंगवाल (स० अ०)
रा० प्रा० वि० चंदोला राई
विकासखण्ड- पौड़ी
जनपद- पौड़ी

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

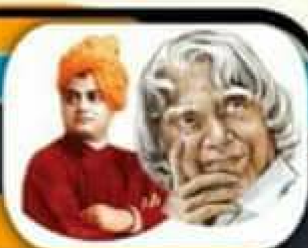

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 17.03.2021 -दिन- बुधवार

1729

मनभावन बसन्त

स्वागत तुम्हारा मनभावन बसन्त,
उर में भरते हो खुशियाँ अनन्त।
आशा का सन्देश ले करते आगमन,
नवीनता भर दे उमंग खिले अन्तर्मन।।

प्रकृति ओढ़े धानी चुनर,
गेहूँ लदी बालें उपहार रत्न।
आम्र मंजरी महकाए पवन,
पक्षी चहचहाते नील गगन।।

सरसों के मतवाले पीले खिले सुमन,
तितली नाचे, भँवरे गुनगुनाए उपवन।
नदी, निर्झर निनाद करें कल-कल,
कोयल सुर में कूक मोह लेती मन।।

श्वेतवर्णी विराजे कमल सुमन,
वीणा की तान संग करें गायन।
उर अन्तः तमस का करें हरण,
होली बसन्ती आयी माह फागुन।।

रचना-
रीना (स०अ०)
प्रा० वि०- सालेहनगर
वि० क्षेत्र- जानी, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-
17/03/2021 बुधवार

1730

बाल विवाह-एक अपराध

तर्ज- साजन मेरा उस पार है....

बाबुल करो उपकार है।
मुझको भी पढ़ने का अधिकार है।।

शिक्षा की चाहत मेरी पूरी कर दो,
पढ़ने-लिखने की इच्छा पूरी कर दो।
बाल-विवाह करना अपराध है,
मुझको भी पढ़ने का अधिकार है।।

खेल-खिलौनों से नहीं रख पाती दूरी हूँ,
अभी कली ही हूँ, मन से नहीं पूरी हूँ।
बेटी को दो अपना पूरा प्यार है,
मुझको भी पढ़ने का अधिकार है।।

बाबुल करो उपकार है।
मुझको भी पढ़ने का अधिकार है।।

पढ़ लिख कर मैं भी शिक्षित हो जाऊँगी,
तब अपने सपनों को पूरा कर पाऊँगी।
बचपन की यही पुकार है,
मुझको भी पढ़ने का अधिकार है।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा०वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 18/03/2021 -दिन- गुरुवार

1731

भ्रूण हत्या

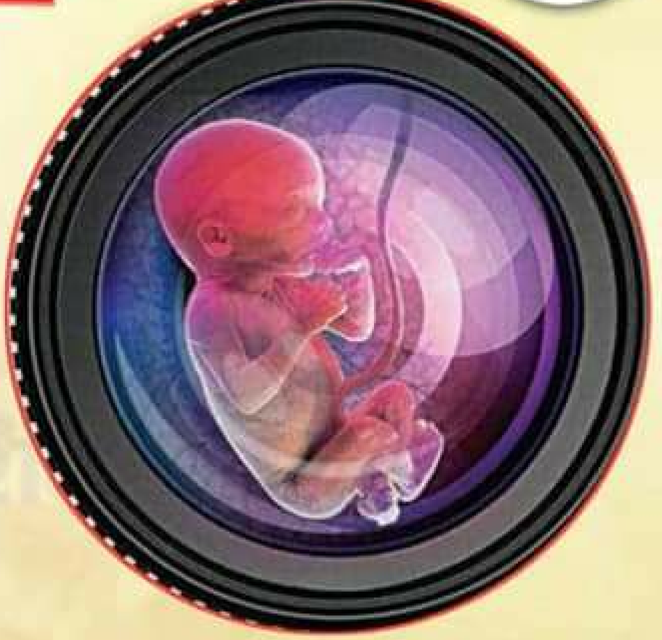

जीने का एहसास है बाकी।
मेरी कोई-कोई साँस है बाकी।।
सपने भी ना बुन पायी मैं,
खुशबू भी ना चुन पायी मैं।
नींद में सोयी अलसायी सी,
भोर भी ना देख पायी मैं।।
था खंजर उसने चला दिया,
चिर निद्रा में मुझे सुला दिया।
ओ माँ!तूने यह क्या किया,
क्यों तूने मुझको भुला दिया?
क्या मैं इतनी अनचाही थी,
जो मौत यह तुमनें चाही थी।
सब तो तेरे अपने थे,
बस मैं ही एक परायी थी।।

जब कोई ना होगा साथ तेरे,
तुम्हें याद तो मेरी आएगी।
भूले चाहे हर कोई माँ,
पर तू मुझे भुला ना पाएगी।।

रचना-
भावना शर्मा(प्र०अ०)
प्रा०वि०नाँरगपुर,
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 18/03/2021 -दिन- गुरुवार

1732

कलम

कलम उठाओ, तकदीर बनाओ,
जीवन के नवदीप जलाओ।
बिखरे सपनों को पुनः सजाओ,
नये-नये आयाम बनाओ।।

एक बूँद जो स्याही लिखती,
जीवन भर वह कभी न मिटती।
खून से कीमत समझो ज्यादा,
पढ़ने-लिखने से होता है फायदा।।

नयी कलम की पौध लगाओ,
फसल जीवन की तुम लहराओ।
कलम पकड़ना तुम भी सीखो,
दुख-दर्दों से कभी न चीखो।।

जो समझता है कलम की ताकत,
ज्यादा कभी न लगती लागत।
कलम पकड़ना कभी न छोड़ो,
आसमान में तुम भी दौड़ो।।

रचना
सुरेश कुमार (प्र०अ०)
प्रा० वि० बाँसुरा (प्रथम)
रामपुर मथुरा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 18-03-2021 -दिन- गुरुवार

1733

शून्य सप्ताह

ये शून्य सप्ताह क्या है?
ये शून्य सप्ताह क्या है?
इसमें बच्चे सहज बनेगें,
खेलेगें-कूदेगें और क्या ?

दर्जी और हाथी की कहानी होगी,
मौखिक गतिविधियाँ सुहानी होंगी।
हाथी-आता, हाथी-आता,
ऐसी ही कविताएँ खूब होंगी।।

चित्र चार्टों पर बातें होंगी,
तुमसे मन की बातें होंगी।
फिर एक अप्रैल से करना क्या है?
इसकी भी योजनाएँ होंगी।।

कोविड-19 माहमारी के दौरान,
स्कूल हुए थे तुमसे वीरान।
अब पढ़ाई में जुट जाना है,
पढ़ो-लिखो और बनो नेक इन्सान।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
पू० मा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी
जवां, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

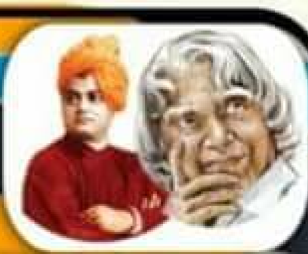

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 18.03.2021 -दिन- गुरुवार

1734

बसन्त की कली

एक-एक फूल खिला है,
एक-एक कली मुस्करायी है।
ओढ़ कर सतरंगी आँचल,
वह मेरे द्वार आयी है।।

वह कमल की कुमुदिनी है,
चाँदनी में नहायी है।
वह रूप की बन उर्वशी,
स्वर्ग से उतर आयी है।।

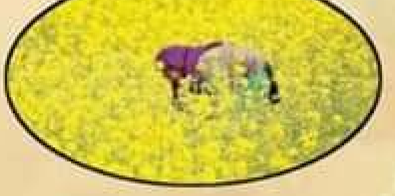

कूक कर कोयल ने उसका,
अभिनन्दन किया है।
विहंग-कुल ने हर दिशाओं में,
सुरों से आरती सजायी है।।

बह रही है सुरभि अपने,
आँचल का विस्तार कर।
आज बसन्त की नन्ही कली,
आँगन में खिल आयी है।।

रचना:-
माधुरी नैथानी(स०अ०)
रा०उ०प्रा०वि० भटोली,
ब्लॉक- खिर्सू पौड़ी गढ़वाल,

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

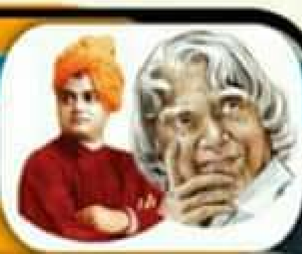

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 18/03/2021 -दिन- गुरुवार

1735

चैत मास

चैत मास, मधु मास आया,
सबके मन को अति भाया।
बच्चों का आया त्योहार,
सबने ने करी मन से यह पुकार।।

जय घोघा माता फ्यूँली का फूल,
हवा चली तो उड़ गयी धूल।
दिशा धियाणियों का आया सन्देश,
कुछ दिन में मैं आती हूँ मैत।।

अरसे पकाना, रोट पकाना,
मीठे-मीठे चावल बनाना।
कद्दू छाँछ अगर मिले तो,
मेरे लिए रीठा पकवान बनाना।।

जी भर कर खाऊँगी, खूब मन लगाऊँगी,
अपनों से मिलूँगी, सखियों संग खेलूँगी।
मायके में मस्त रहूँगी, हर पल खुश रहूँगी,
पोटली बांध भिटौली साथ ले जाऊँगी ।।

रचना
माधव सिंह नेगी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० जैली, ब्लॉक-जखोली, जनपद-रुद्रप्रयाग

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 19/03/2021 -दिन- शुक्रवार

1736

बच्चे कितने न्यारे

बच्चे प्यारे, कितने न्यारे ,
आते पढ़ने बीच हमारे।
मम्मी की आँखो के तारे,
पापा के निज राजदुलारे।।

सपने पलते कितने सारे,
मौन भी उनका हमें पुकारे।
आश लिए हैं मन के द्वारे,
आओ भर हम उजियारे।।

बच्चा-बच्चा देश का अपना,
है हम सबको शिक्षित करना।
पल-पल सपने सुखद हमारे,
पूरे होंगे संकल्प हमारे।।

क, ख, ग के गीत सुनाकर,
गिनती-संख्या उन्हें सिखाकर।
नये-नये हों अवसर सारे,
नया भाव हो हृदय हमारे।।

रचना
प्रसन्नता रस्तोगी (स०अ०)
प्रा० वि०भगवानपुर
मिश्रिख, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 19.03.2021 -दिन- शुक्रवार 1737

परीक्षा

बच्चों हो जाओ चार्ज,
आ गया माह ये मार्च।
परीक्षा से है सामना,
कलम किताब है थामना।।

प्रश्न-पत्र को आगे ढाल,
जवाब देने हैं तत्काल।
रुकना न झिझकना है,
सदैव आगे रहना है।।

गुरुओं ने समझाया,
तरीका-हर एक सिखलाया।
फिर भय, कैसा डर?
रहे क्यों पीछे हटकर॥

योद्धा बन जाए जूझ,
कायम रखें समझ-बूझ।
ऐसा न हो, पड़े न सूझ,
परीक्षा न पहेली अबूझ।।

रचना-

नर्वदा कौशल (स०अ०)
रा० प्रा० वि० नकोट जुवा
थौलधार, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 19-03-2021 -दिन- शुक्रवार

1738

मीना की सीख

सरल स्वभावी अपनी मीना,
सुगम करती सबका जीना।
सही राह बतलाती मीना,
सीख मानकर सीखो जीना।

बच्चों को शिक्षा से जोड़े,
ठहराव की चादर ओढ़े।
मीना, राजू ने अलख जगायी,
सुरक्षा की ज्योति जलायी।

बालक-बालिका का भेद मिटाकर,
कठिनाइयों से जूझे हल निकालकर।
दे सन्देश गलत सोच साकार न कर,
सत्यम-शिवम-सुन्दरम् से प्यार कर।

कुछ करना है तो सोच बदल,
हिम्मत से आगे बढ़ चल।
सही राह पर डटकर चल,
मिलेगा तेरी मेहनत का फल।।

रचना
अनुपमा जैन (स० अ०)
पू० मा० वि० मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

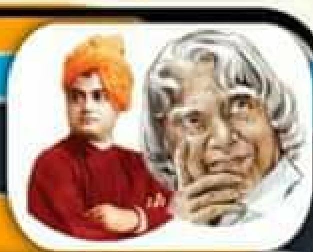

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 20/03/2021 -दिन- शनिवार

1739

माता-पिता

इज्जत मात-पिता की कर लो,
जीवन को खुशियों से भर लो।
इनसे ही है अस्तित्व तुम्हारा,
इनका बनकर रहना सहारा।।

पिता होता है एक छत के जैसा,
कोई और नही हो सकता ऐसा।
माता जैसा नही है कोई दूजा,
कर लो अपनी माँ की पूजा।।

दु:ख उठाकर हमको हैं पढ़ाते,
हमारा सुन्दर जीवन हैं बनाते।
इनका विकल्प नहीं कोई होता,
जिसने सताया, वो फिर है रोता।।

इनसे ही है जीवन में उजाला,
इनसे ही है सफलता की माला।
दिल न कभी दुखाना इनका,
करना तुम भी इनके मन का।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन
मिश्रिख, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

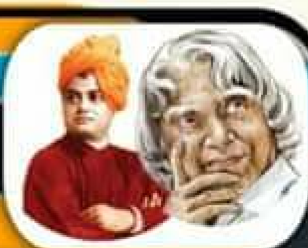

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 20/03/2021 -दिन- शनिवार

1740

ऐ पथिक

ऐ पथिक! यह दुनिया है;
एक मुसाफिर खाना।
आज आए हैं तो,
कल सबको है जाना।।

ना जाने, कितनी तपस्याओं के बाद,
कितने दिनों के इन्तजार के बाद।
कितनी मंजिलों को पाया,
करके मेहनत, दिन और रात।।

और आगे निकल गए;
क्योंकि बाकी थे अभी और जहाँ।
जिन्हें बाकी था पाना,
जिन पर छोड़ना था अपना निशाँ।।

इसलिए ऐ पथिक!
तू कभी क्लान्त ना होना।
नित नयी-नयी राहों को ढूँढना,
चलते जाना, विश्रान्त ना होना।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

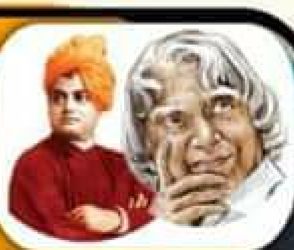

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 20-03-2021 -दिन- शनिवार

1741

ज्वालामुखी विस्फोट से हानियाँ

ज्वालामुखी उद्गार के द्वारा,
क्या होता नुकसान हमारा।
आओ बच्चों तुम्हें बताएँ,
कृषि फार्म नष्ट हो जाएँ।।

पशु-पक्षी है जाते मर,
नष्ट होते हैं, इससे भवन।
नदी-झील में लावा भरने के कारण,
उनमें आती बाढ़ अचानक।।

जंगल जलकर हो जाते नष्ट,
इससे होता मनुष्य को कष्ट।
जन-धन की हानि है होती,
ज्वालामुखी से आग निकलती।।

रचना-
स्वाती केसरवानी (पूर्व छात्रा)
UPS, चित्रवार, ब्लॉक- मऊ
जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 20.03.2021 -दिन- शनिवार

1742

वर्षा रानी

नीला अम्बर पीहर मेरा,
धरती है ससुराल।
बादल की बेटी कहलाती,
सागर करे निहाल।।

ढोल नगाड़ों के संग बाबुल,
जब-जब विदा कराते हैं।
इन्द्र देव भी वज्र चला कर,
दुन्दुभि खूब बजाते हैं।।

चाँदी की चूनर ओढ़े मैं,
छम-छम आगे बढ़ती हूँ।
पहुँच पिया के आँगन जाने,
कितने रूप मैं धरती हूँ?

ताल, पोखरें, कुण्ड, सरोवर,
झरने, नदियों वाला रूप।
और निखर कर खिल जाता,
जब सूरज देता पीली धूप।।

खुशहाल धरा को कर जाती हूँ,
भर-भर मोती की गागर से।
और अन्त में जा मिलती हूँ,
अपने प्रियतम सागर से।।

रचना:-
प्रेमा नयाल (स० अ०)
रा० प्रा० वि० त्योना
भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 20-03-2021 -दिन- शनिवार

1743

मिशन गीत

तर्ज - सुबह सवेरे लेकर
तेरा नाम प्रभु.......

सुबह सवेरे लेकर नया ज्ञान सभी,
करते हैं नई शिक्षा का शुरुआत सभी।

मिशन को जानें, मिशन को मानें,
मिशन मयी हो जाएँ सभी।
रोचकता से सीखें विद्या ज्ञान सभी,
करते हैं नई शिक्षा की शुरुआत सभी।।

हर मुश्किल में धैर्यवान बन जाएँ सभी,
शिक्षा का स्वर्णिम सवेरा लाएँ सभी।
शिक्षित हो अपना भाग्य बनाएँ सभी,
करते हैं नई शिक्षा की शुरुआत सभी।।

स्नेह रहे, सम्मान रहे, अभिमान रहे,
बेसिक के छात्रों का गौरव गान रहे।
बेसिक की उत्तम छवि का ध्यान रहे,
करते हैं नई शिक्षा की शुरुआत सभी।।

मुमकिन है हर बात, मिशन जब साथ रहे।
कोई नई समस्या हो समाधान रहे।
हम शिक्षक हैं तो छात्रों का कल्याण करें,
करते हैं नई शिक्षा की शुरुआत सभी।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
अर्चना यादव (प्र०अ०)
प्रा० वि० परसू
सहार, औरैया।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 20-03-2021 -दिन- शनिवार

1744

पेड़

पेड़ बहुत उपयोगी होते,
सबने इनको जाना है।
पेड़ हमें देते छाया,
सबने इनको है माना।।

आँधी हो या बारिश हो,
फिर भी नहीं टूटते पेड़।
मजबूती से खड़े ये रहते,
धैर्य हमें सिखाते पेड़।।

पेड़ों से वनों की सुन्दरता,
पेड़ों से ही सुरक्षित जीवन।
पेड़ों से ही छाया मिलती,
पेड़ों से ही लकड़ी, वन।।

बसन्त में खिलते पेड़,
सबके मन को हरते पेड़।
खुशहाली लाते ये पेड़,
जीना हमें सिखाते पेड़।।

रचना:-
कु० तमन्ना (छात्रा) कक्षा - 6
रा० उ० प्रा० वि० ताल
ब्लॉक - पाबौं, जनपद-पौड़ी

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

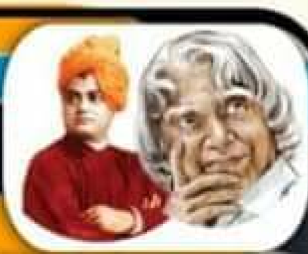

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 20/03/2021 -दिन- शनिवार 1745

किसान

किसान खेती करता है,
बारिश, ठण्डी, धूप से लड़ता है।
वह अधिक अन्न उपजाता है,
जो सारे देश के काम आता है।।

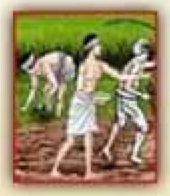

किसान को करो सब दिल से प्रणाम,
यही तो करते हैं, अन्न का दान।
फल भी ये उपजाते है,
ये अन्न दाता भी कहलाते हैं।।

साग-सब्जी भी उगाते हैं,
जिसे हम सब खाते हैं।
किसान की तरह तुम भी बनो,
मेहनत, ईमानदारी के साथ चलो।।

किसान देता है एक सीख,
किसी से मत माँगो तुम भीख।
मेहनत से तुम अन्न उगाओ,
उसी से अपना घर चलाओ।।

रचना
रोली शर्मा (छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

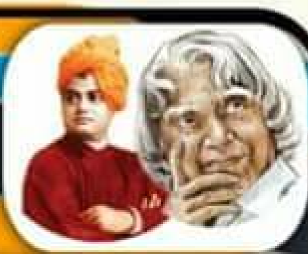

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 22.03.2021 -दिन- सोमवार

1746

आकार, प्रकार

बच्चों! घर के आस-पास आपने,
कई प्रकार की वस्तुओं को देखा।
कोई होती गोल, कोई चौकोर-तिकोनी,
कोई दिखती सीधी लम्बी रेखा।।

कंचे और गेंद तो गोलाकार होते,
एक तरह का पृष्ठ इनका, बाहरी सतह घुमावदार है।
लकड़ी का लठ्ठा इसमें दो तरह के पृष्ठ हैं।
ऊपर-नीचे तल समतल साइड़ घुमावदार है।।

माचिस की ड़िब्बी, किताब चौकोर होतीं,
लम्बाई, चौड़ाई, ऊँचाई अलग घनाभाकार हैं।
सभी तरफ से चौरस या समतल ये होतीं हैं,
पृष्ठों की संख्या छः सभी आयताकार हैं।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 22/03/2021 -दिन- सोमवार

1747

हिमा दास

9 जनवरी सन् 2000 को,
असम के परिवार में जन्म लिया।
हिमा दास नाम की धावक ने,
पूरे विश्व मे देश का नाम किया।।

एक ऐसा दिन भी था जब जूतों पर,
पेन से एडिडास लिख लिया।
नाम कमाया इतना कि कम्पनी ने,
इन्हें ब्रांड एम्बेसडर ही बना दिया।।

400 मीटर दौड़ स्पर्धा में स्वर्ण,
लेने वाली पहली भारतीय महिला हैं।
इसके अलावा भी कई रिकॉर्ड और,
पदकों को अपने नाम किया है।।

अभी हाल ही में असम पुलिस ने,
डी० एस० पी० पद देकर सम्मानित किया है।
मेहनत से ही होंगे सभी लक्ष्य हासिल,
ये संदेश हम सभी को दिया है।।

रचना- ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 22.03.2021 -दिन- सोमवार 1748

फूलदेई त्योहार

फूलदेई आयी फूलदेई आयी,
बच्चों की खुशियाँ लायी।
रगं-बिरंगे फूल सजाएँ,
आओ! हम सब मिलकर गाएँ।।

फ्यूँली-बुराँश जैसे फूल लायी,
पय्यां जैसे पत्ते लायी।
भौंरे इन पर बैठ रहे हैं,
फूलों का रस चूस रहे हैं।।

वन-वन में फूल खिले हैं,
घर-आँगन में फूल खिले हैं।
घुघूती, कोयल, तोता, मैना,
प्यारा लगता सबका चहकना।।

फूलदेई त्यौहार मनाओ,
हँसी खुशी सब गाना गाओ।
जय घोघा माता फ्यूँली का फूल,
सुबह-सबेरे डालो फूल।।

रचना-
कु० दीपिका नेगी (छात्रा)
कक्षा-8
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

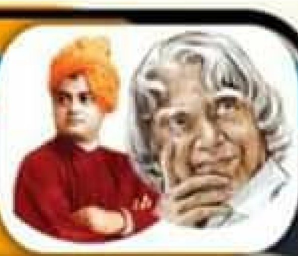

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 22-03-2021 -दिन- सोमवार 1749

रेलगाड़ी

छुक-छुक, छुक-छुक,
करती है रेलगाड़ी।
पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण,
पहुँचाती है रेलगाड़ी।।

सबसे आगे इसके इन्जन होता,
पीछे डिब्बे चलते हैं।
चलने से पहले सीटी देकर,
हमको खबर यह करते हैं।।

लोहे की पटरी पर चलती,
कभी नहीं रुकती है।
कम समय में हम सबकी,
यह यात्रा पूरी करती है।।

सुबह-शाम-रात यह हमको,
यात्रा करवाती रेलगाड़ी।
छुक-छुक, छुक-छुक
करती है यह रेलगाड़ी।।

रचना
बीना रानी (स०अ०)
पू० मा० वि० पुल नानऊ
अकराबाद, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 22/03/2021 -दिन- सोमवार

1750

बात हमारी भूल न जाना

जीवन में यदि आगे बढ़ना,
फिर तो सबको होगा पढ़ना।
नया दौर है नया जमाना,
नयी डगर पर सबको जाना।।

नहीं रुको तुम बढ़ते जाओ,
जीत के सपने नित अपनाओ।
मत पीछे तुम पाँव हटाना,
उन्नति का पथ तुमको पाना।।

अभी विचारो, आगे आओ,
छाया जो अँधियार, मिटाओ।
अब तो शिक्षा ज्योति जलाना,
घर-घर किरणें नूतन लाना।।

कर लो पढ़ाई मेहनत करके,
सफल बनोगे मेहनत करके।
बात हमारी भूल न जाना,
पढ़ते जाना, लिखते जाना।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
क० व० अकबापुर
पहला, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 22.03.2021 -दिन- सोमवार

1751

सरस्वती वन्दना

वर दे वर दे वीणावादिनी वर दे।
श्वेतवर्णी कमल पर विराजे।
हाथ में वीणा सुन्दर साजे।
छेड़ तान वीणा के स्वर की।
मन में नई उमंग भर दे।
वीणावादिनी वर दे।

विद्या, कला, संगीत की देवी।
अज्ञान के अन्धकार को हरकर।
ज्ञानज्योति प्रकाश को भरकर।
कण-कण में उर्जा भर दे।
वीणावादिनी वर दे।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

बसन्त ऋतु में नव गति देकर।
नव लय, नव स्वर, नव छंद देकर।
नव जीवन संचार कर दे।
वीणावादिनी वर दे।
वर दे वर दे वीणावादिनी वर दे।

रचना-
रीना (स० अ०)
प्रा० वि०- सालेहनगर
वि० क्षेत्र- जानी, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-
मंगलवार 23/03/2021

1752

जल संरक्षण

टीचर जी ने हमको सिखलाया,
जल ही जीवन, महत्व बतलाया।
जो तुम इसे यूँ ही बहाओगे,
एक बूँद को भी तरस जाओगे।।

पापा अगर बहाएँ गाड़ी पर पानी,
न करने दो तुम उनको मनमानी।
मम्मी जो भूल जाएँ कभी खुला नल,
समझाओ जल बिन जीवन मुश्किल।।

जल दोहन को दो तुम त्याग,
पावस हेतु नित करो प्रयास।
धरा पर होंगे जितने पेड़,
उतने आकर्षित होंगे मेघ।।

ठानो अब करना है जल सरंक्षण,
क्योंकि जल से पृथ्वी ,जल ही जीवन।
22 मार्च विश्व जल दिवस कर लो याद,
संकल्प लो, न होने दोगे अब जल बर्बाद।।

शालिनी सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० मकंदीपुर,
अमौली ,फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 23/03/2021 -दिन- मंगलवार

1753

आज की नारी

माँ के दिल का टुकड़ा हूँ मैं,
पापा की हूँ राजदुलारी।
फिर क्यों दुनिया कहती मुझको,
हाय! बेचारी अबला नारी।।
अन्तरिक्ष तक जा सकती हूँ,
दुश्मन के छक्के छुड़ा सकती हूँ।
लड़कों से मैं नही हूँ पीछे,
कभी किसी से नहीं मैं हारी।।
कोई कहेगा मुझको निर्बल,
कोई कहेगा फुलवारी।
आसमान पर चमकुँगी एक दिन,
अभी हूँ छोटी चिन्गारी।।

माना, बात बात में ला देती हूँ,
आँखों में खारा पानी।
फूलों सी कोमल दिखती हूँ,
पर हूँ वज्र सी बलशाली।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

स्नेहलता(स०अ०)
प्रा०वि०नाँरगपुर,
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

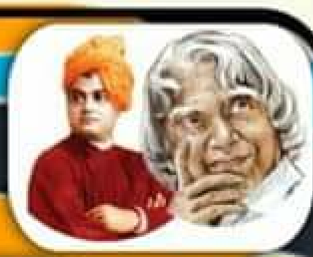

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 23/03/2021 -दिन- मंगलवार

1754

महान व्यक्तियों के उपनाम

देश में जन्मे जो भी अपने,
उनके जानें उपनाम महान्।
किस विभूति का नाम क्या दूजा?
और है क्या किसका योगदान।।

बापू कहते गांधी जी को,
राष्ट्रपिता भी कहलाते।
और नेहरू जी चाचा प्यारे,
बच्चों के हैं कहलाते।।

देश की पहली महिला पी० एम०,
बनी इन्दिरा गांधी जी।
कहलाती प्रियदर्शिनी वे थीं,
पिता थे जिनके नेहरू जी।।

लौह पुरुष के नाम से जाने,
जाते हैं सरदार पटेल।
थे मजबूत इरादों वाले,
सरदार बल्लभ भाई पटेल।।

भारत माँ की रक्षा के हित,
जीवन कर दिया था कुर्बान।
शहीद-ए-आजम कहलाए जो,
वीर भगत सिंह बड़े महान।।

रचना
शिखा वर्मा (इं० प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

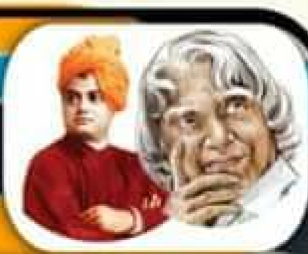

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 23-03-2021 -दिन- मंगलवार

1755

नारी तू नारायणी

नारी तू नारायणी,
कभी ना मानो हार।
तुझसे ही तो चलता है,
ये सारा संसार।।

अबला नहीं तू सबला है,
तुझमें शक्ति अपार।
तू ही जग निर्माता है,
तू सबकी तारणहार।।

धैर्य धरो तुम धरती सा,
अम्बर सा करो प्रसार।
मन में सागर से गहरे,
लाओ उच्च विचार।।

बहुत हो चुका रोना धोना,
अब सहो ना अत्याचार।
बनकर काली, दुर्गा तुम,
कर दो दुष्टों का संहार।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय उजीतीपुर
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-
23-03-2021 मंगलवार

1756

पेय जल

जल की कोई थाह नहीं,
सेवन कब तक पता नहीं।
जो जीवन का है आधार,
स्वादहीन जीवन साकार।।

दो अणुओं का है संयोग,
ऑक्सीजन संग है प्रयोग।
हाइड्रोजन की भी मात्रा,
पेयजल संग सुखद यात्रा।।

दिन-प्रतिदिन घटता स्तर,
नियमित परिवर्तित प्रस्तर।
मानव दोहन मुख्य कारण,
प्रकरण नहीं है असाधारण।।

नासमझ यह समझ रहे,
प्राप्ति पेयजल की बनी रहे।
पेयजल का कोई तोड़ नहीं,
इससे अच्छा कोई जोड़ नहीं।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना
ऋषि दीक्षित (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय भटियार
निधौली कलाँ, एटा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 23.03.2021 -दिन- मंगलवार 1757

वैज्ञानिक

भूगोल में है पृथ्वी गोल,
इसकी रचना है अनमोल।
प्रदूषण से इसे बचाना,
इसको रखना तुम अनमोल।।

धरती के अन्दर क्या-क्या है?
जो इसकी जानकारी बताये।
और नहीं वो हर देश के,
भू-गर्व वैज्ञानिक कहलाए।।

अन्तरिक्ष में क्या-क्या है?
इसके बारे में बतलाते।
वो वैज्ञानिक ही देश के,
अन्तरिक्ष वैज्ञानिक कहलाते।।

चाँद-तारों, ग्रहों की गणना,
सभी ग्रहों की संरचना।
के बारे में जो बतलाते,
ये सब वैज्ञानिक कहलाते।।

इनसे ही है देश महान,
ये हैं देश-दुनिया की शान।
शोध करें ये नित्य नये,
देश की जान देश की शान।

रचना-
हेमलता बहुगुणा (प्र०अ०)
रा0उ0प्रा0वि0सुरसिंहधार
चम्बा (टिहरी गढ़वाल)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

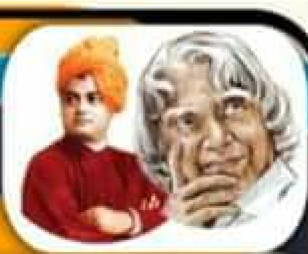

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-
23-03-2021 मंगलवार

1758

गणित किट हमारी निराली

गणित किट में खेल निराले,
आओ बच्चों इन्हे निकालें।
खेल-खेल में ही समझ जाओगे,
दुनियादारी के गणितीय झाले।।

इनमें से वेल्क्रो मॉडल लाओ,
उन्हें लुढ़काओ और सरकाओ।
विभिन्न आकृतियाँ उनसे बनाओ,
त्रि, द्विआयामी क्या है जान जाओ।।

रंग-बिरंगी संख्याएँ हैं,
सुन्दर डोमिनो कार्डस भी हैं।
कितने सारे रुपए-पैसे हैं,
रंगीले ब्लॉक्स भी हैं।।

तो आओ खेलें खेल,
संख्याओं से कर ले मेल।
जोड़ करेगें, घटा करेगें,
पासों से ऐसे खेल खेलेंगे।।

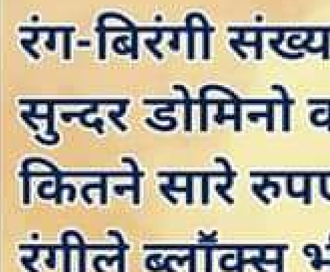

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
पू० मा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी
जवां, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 23.03.2021 -दिन- मंगलवार

क्रमांक 1759

हमारी प्यारी गौरैया

नन्हीं सी प्यारी गौरैया,
दाना खाने जब आती है।
उसकी चीं-चीं-चूँ-चूँ,
मेरे मन को बहुत सुहाती है।

आती है वह दूर-दूर से,
उसके नैना चंचल-चंचल।
इतराती है, इठलाती है,
ढूँढ रही है भोजन और जल।।

एक अकेली कभी ना आती,
अपने साथ सभी को लाती।
पानी पीकर प्यास बुझाती,
दाना खाकर झट उड़ जाती।।

इनको भी तो प्यार चाहिए,
थोड़ा सा दुलार चाहिए।
तभी हमारे पास रहेंगी,
मीठे-मीठे बोल कहेंगी।।

इनका ध्यान हमें रखना है,
इनके लिए बनाएँ घर।
दाना-पानी भी दें इनको,
संरक्षण दें जीवन भर।।

रचना:-
अनीता पन्त (स०अ०)
रा० आ० प्रा० वि० कालाढूँगी
विकास खण्ड-कोटाबाग
जिला- नैनीताल, उत्तराखण्ड

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

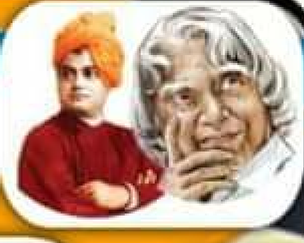

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 24/03/2021 -दिन- बुधवार

1760

विश्व जल दिवस

विश्व जल दिवस की शुरुआत,
1992 में ब्राजील के रियो से की गयी।
1993 में पहली बार संयुक्त राष्ट्र द्वारा,
विश्व जल दिवस मनाने की पहल की गयी।।

विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है,
इसमें जल के महत्व को बताया जाता है।
सभी देशों में स्वच्छ और सुरक्षित जल,
मुहैया करवाना इसका उद्देश्य माना जाता है।।

जल ही जीवन है संदेश को सार्थक बनाकर,
आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना है।
इस वर्ष की थीम 'पानी के महत्व' को,
जन-जन तक पहुँचाकर भविष्य सुरक्षित
बनाना है।।

वैश्विक जल दिवस पर हम सभी,
मिल जुलकर ये प्रण करें।
हम सभी को मिले स्वच्छ पीने का पानी ,
आने वाले कल के लिए भी यत्न करे।।

रचना- रीना कुमारी
शिक्षक संकुल
उ. प्रा. वि. सिसाना
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-
24.03.2021 बुधवार

1761

सुख का प्रतीक गौरैया

चहकती रहे घर आँगन की चिड़िया,
महकाती रहे सुख समृद्धि की बगिया।
बाग बगीचे हैं जहाँ-वहाँ खूब चहचहाती,
खुशियों भरे गीत सबको सुनाकर लुभाती।।
प्यारी गौरैया है बेहतर प्रकृति का प्रतीक,
नन्हीं सी जान रहती हम सबके नजदीक।
अत्यधिक प्रदूषण का जहर बो रहे हैं,
ये गायब हो रही है इसे हम खो रहे हैं।।
जबसे घर हमारे मकानों में तब्दील हो रहे हैं,
घरोंदे इनके अनायास कम होते जा रहे हैं।
गौरैया है एक सफाई कर्मी तुम मानो,
जीव जगत का है अहम हिस्सा ये जानो।।
बीजों को सर्वत्र फैलाने में मदद करती,
कीटों को खाकर सारी फसलें बचाती।
आओ 20 मार्च 'गौरैया दिवस' मनाएँ,
मिल जुल कर नन्हीं जान को बचाएँ।।

रचना:-
वन्दना जोशी (स०अ०)
रा० आ० क० उ० प्रा० वि० पऊ
ब्लॉक-लोहाघाट,
जिला-चंपावत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 24.03.2021 -दिन- बुधवार

1762

मधुमक्खी

प्यारी-प्यारी मधुमक्खी,
कहाँ से उड़कर आती हो?
इतना मीठा, इतना प्यारा,
शहद कहाँ से लाती हो?

इतने छोटे पंख तुम्हारे,
कैसे दूर तक उड़ती हो?
इतना बड़ा सा छत्ता लगता,
क्या-क्या जादू करती हो?

प्यारे बच्चे, प्यारे बच्चे,
सीख लो मेरी मान।
परहित जो भी तत्पर रहता,
होता उसका गुणगान।।

हमने केवल मेहनत करना,
सुबह शाम तक सीखा है।
मेहनत का ही फल है बच्चों,
तभी शहद यह मीठा है।।

रचना
विशाल कुमार रस्तोगी (स०अ०)
प्रा० वि० मुन्नूपुरवा
सकरन, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 24.03.2021 -दिन- बुधवार

1763

उत्तराखण्ड मेंआपदा

ऋषि गंगा क्यों कुपित हुई,
प्रकृति ने क्यों दण्ड दिया।
जब मानव ने स्वार्थवश,
नदियों को अवरुद्ध किया।।
काटा पेड़ों को स्वार्थ हेतु,
हरियाली को नष्ट किया।
बारूदी विस्फोट किए,
मशीनों से पर्वतों को रौंद दिया।।
तपोरत हिमालय के सीने में,
मनुज घाव बड़ा कर गया।
सुरंगे लम्बी-लम्बी खोद दी,
गाद नदियों में भर गया।।
जन, धन, पशु की हानि हुई,
जल-प्रलय में सब बह गया।
जल, जंगल, जमीन बचा लो,
प्राकृतिक प्रकोप कह गया।।

रचना :-
सावित्री जोशी (स०अ०)
रा० प्रा० वि० पल्लीगाड
विकासखण्ड- कीर्तिनगर
जिला-टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 25/03/2021 -दिन- गुरुवार 1764

होली की कहानी

एक असुर था हिरण्यकश्यप,
होलिका थी उसकी भगिनी।
दोनों ही वह करते थे,
अपनी-अपनी मनमानी।।

सारी प्रजा को त्रास दिया,
सुख चैन उनका हर लिया।
कहता था खुद को भगवान,
नाम विष्णु का न किसी को लेने दिया।।

परन्तु प्रहलाद उसका अपना बेटा,
था विष्णु भक्त बड़ा।
अपने अटल विश्वास पर,
वह बच्चा था अडिग खड़ा।।

जब होलिका ने प्रहलाद को,
चाहा जलाकर मारना।
वो बन बुराई स्वयं जल गयी,
कर न सकी भक्त का सामना।।

तबसे उस दिन को हम होली के रूप में मनाते हैं।
अपनी सारी बुराइयों को होली में जलाते हैं।।

रचना-
भावना शर्मा(प्र०अ०)
प्रा०वि०नाँरगपुर,
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 25-03-2021 -दिन- गुरुवार

1765

मिशन को शुभकामनाएँ

मिलती खुशियाँ हमको, ना गम कोई आए,
फूलों की तरह हमेशा खिलखिलाएँ,
मिलकर हम सब एक परिवार कहलाएँ।
मिशन को हमारी हार्दिक शुभकामनाएँ।।

प्रेरणा है मिशन हमारा,
यह है चन्दा, हम सब सितारा,
शिक्षा के आसमां में यूँ ही चमचमाएँ।
मिशन को हमारी हार्दिक शुभकामनाएँ।।

पल-पल करता है मदद, स्वाभिमान जगाए।
समस्या छोटी-बड़ी, उसका समाधान कराए,
हमें मिलजुल कर कार्य करना सिखाए।
मिशन को हमारी हार्दिक शुभकामनाएँ।।

इस का साथ मिला तो चन्दन से चमकने लगे,
हम शिक्षा के जगत में, फूलों से महकने लगे,
मिशन के साथ हम यूँ ही चहचहाएँ।
मिशन को हमारी हार्दिक शुभकामनाएँ।।

मिशन शिक्षण संवाद, अलीगढ़

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

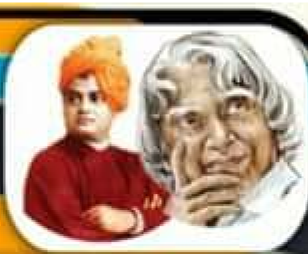

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 25.03.2021 -दिन- गुरुवार

1766

स्वरों संग अच्छी बातें

आ इ ई उ ऊ
अ ऋ अः ए
अं औ ओ ऐ

'अ' से अच्छी बातें सीखो,
'आ' से आदर बड़ों का सीखो।
'इ' से इतना बनो महान,
'ई' से ईश्वर भी करे गुणगान।।

'उ' से उन्नति करते जाओ,
'ऊ' से ऊपर उठना सीखो।
'ऋ' से ऋषि सम बन ज्ञानवान,
'ए' से एकाग्रचित हो लगाओ, ध्यान।।

'अ:' से अन्त:करण शुद्ध बनाओ,
नये आयाम नित गढ़ते जाओ।
स्वप्न सुन्दर नित बुनते जाओ,
जीवन अपना सफल बनाओ।।

'ऐ' से ऐसा लक्ष्य बनाओ,
'ओ' से ओजस्विता वाणी में लाओ।
'औ' से औदार्य स्वभाव बनाओ,
'अं' से अन्तत: सफलता पाओ।।

रचना
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
सं० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

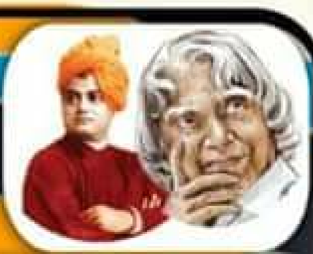

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 25/03/2021 -दिन- गुरुवार

1767

शिक्षक की अभिलाषा

चाह नहीं किसी पुरस्कार की ,
न आवभगत सत्कार की।
न चाहूँ मैं कोई प्रमाण,
अपने शिक्षा प्राण की।।

मेरी तो बस एक ही इच्छा,
उत्तम हो मेरा हर बच्चा।
पारंगत हर लक्ष्य में वो हो,
जीवन पथ में दक्ष भी वो हो।।

नैतिक मूल्यों में अव्वल हो,
हर बच्चा कक्षा का प्रेरित हो।
निपुण बने सब अंक शब्द में,
मेरे जीवन की इतनी पूँजी हो।।

नाम न मेरा जाने कोई,
पर पहचान बने हर बच्चे की।
प्रशस्ति पत्र सब मिले उन्हीं को,
यह अभिलाषा बस पूरी हो।।

रचना:-
डॉ० सुकीर्ति अग्रवाल (ARP)
दानपुर (बुलंदशहर)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

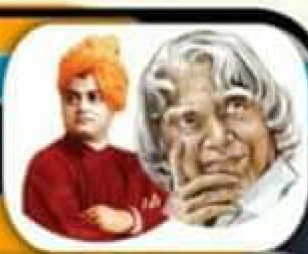

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 25/03/2021 -दिन- गुरुवार

1768

गर्मी आयी

गर्मी आयी, गर्मी आयी,
आओ खाए बर्फ मलाई।
गर्मी आयी, गर्मी आयी,
लू भी चलने लगी है भाई।।

गर्मी गरम तवे सी जलती,
धूप के कारण धरती जलती।
नल भी सूख जाता है,
पानी भी नहीं मिल पाता है।।

नदियाँ और तालाब भी सूख जाते है,
इसलिए पशु-पक्षी प्यासे ही रह जाते।
उन सब की प्यास बुझानी है,
क्योंकि सब का जीवन पानी है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
खुशी यादव (छात्रा)
कक्षा - 4
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

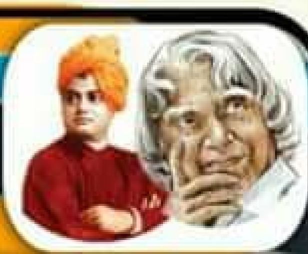

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 25/03/2021 -दिन- गुरुवार

1769

पापा जब बच्चे थे

पापा जब बच्चे थे,
मन के बड़े सच्चे थे।
बड़े होकर क्या बनोगे तुम,
अलग-अलग जवाब देते हरदम।।

चौकीदार, शंटिंग, आइस्क्रीमवाला,
वायुयान चालक, अभिनेता व ग्वाला।
हर रोज पापा के विचार क्या,
किरदार भी बदलते थे।।

एक दिन पापा बैठे बन्दर बनकर,
खौं-खौं करते, चलते चारों हाथ पैरों पर।
अचानक एक फौजी आया तनकर,
पूछा उसने क्या है यह सब चक्कर।।

बोले पापा बहुत हुआ इन्सान बनकर,
सोचा देखूँ जरा जानवर बनकर।
दिया फौजी ने जब पापा को ज्ञान,
तब समझे पहले बन जाऊँ इन्सान।।

रचना
रोशनी कुँवर (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० सिरोली
वि० ख० पौड़ी,
जिला- पौड़ी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 25.03.2021 -दिन- गुरुवार

1770

पेड़ो की महिमा

हरे भरे ये पेड़ निराले,
काम हमारे खूब है आते।
ठण्डी-ठण्डी छाया है देते,
हमको मीठी नींद सुलाते।।

भाग सभी काम में आते,
चाहे लकड़ी, फल या फूल।
ताजी हवा हमको हैं देते,
साँसों को स्वच्छ ये करते।।

पेड़ होते बहुत उपयोगी,
रखे हमको ये तो निरोगी।
वातावरण को स्वच्छ बनाते,
प्रदूषण को दूर भगाते।।

रखना होगा पेड़ो का ध्यान,
धरती की तो ये हैं शान।
पेड़ धरा पर जो न होंगे,
जीवित हम सब भी न रहेंगे।।

रचना-
डॉक्टर नीतू शुक्ला (प्र.अ.)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 25-03-2021 -दिन- गुरुवार

1771

जागो-जागो, माता-पिताओं

जागो-जागो, माता-पिताओ,
बच्चों पे कुछ तरस भी खाओ।
अपनी ज़िम्मेदारी निभाओ,
जागो-जागो, माता-पिताओं।।

लक्ष्य प्रेरणा होगा हासिल,
जब सब बच्चे होंगे शामिल।
थोड़ा तुम भी साथ निभाओ,
जागो-जागो, माता-पिताओं।।

शिक्षा तो अनमोल रतन है,
शिक्षा है तो घर रोशन है।
बच्चों को ये बात बताओ,
जागो-जागो, माता-पिताओं।।

शिक्षा को पाना है ज़रूरी,
मंसूबा है ये सरकारी।
इस पे अमल पैरा हो जाओ,
जागो-जागो, माता-पिताओं।।

मिशन प्रेरणा की तहरीक,
पूरी हो जायेगी खलीक़।
हर बच्चा इससे जुड़वाओ,
जागो-जागो, माता-पिताओं।।

रचना-

खलीक़ अहमद बरेलवी ((स०अ०)
प्रा० वि० तकियापुरवा
निघासन, जनपद- खीरी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 25.03.2021 -दिन- गुरुवार

1772

बचपन

याद बहुत आते हमको कंचो वाले दिन,
गुच्ची, गिल्ली, अड्डू, इल्ला दुल्ला वाले दिन।
बड़ा नजर था उस बचपन में कहाँ गए वो दिन,
पढ़ते-पढ़ते बाल जल गये बत्ती वाले दिन।।

एक जोड़ी कपड़े, बौले सिकान भरे होते थे,
पैंट को घुसड़ी खेल-खेल दो छेद बड़े होते थे।
अरे कलाम वाली बालों की स्टाइल वाले दिन,
टूटी चप्पल की तन्नी में रस्सी वाले दिन।।

स्कूल में गुरु जी से, घर में बाबा से डरते थे,
होम वर्क ना करने पर छुट्टी मारा करते थे।
बॉल जुराब की होती थी सम्पोलिया वाले दिन,
आँखो देखा हाल सुनते थे रेडियो वाले दिन।।

ह्यून्द रातें आने पर, भट को हम भुनते थे,
दिन में चीड़ के पेड़ों से स्यूँते तोड़ा करते थे।
आमा के फसके, बूबू की घुघती वाले दिन,
ईजा के हाथों के पराठे, चटनी वाले दिन।।

याद बहुत आते हमको कंचो वाले दिन।

रचना

ईश्वर सिंह बोहरा (स०अ०)
रा० आ० प्रा० वि० मानाडूंगा,
ब्लॉक-लोहाघाट, चम्पावत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 26/03/2021 -दिन- शुक्रवार

1773

बेटी नहीं पराई है

जब से तू परिवार में आई, घर में रौनक आयी है।
अंश मेरा तू, गर्व मेरा तू, तू मेरी परछाई है।
आज मैं सब से कह डालूँगी, बेटी नहीं परायी है।।

फूल नहीं जो मुरझा जाए ,
शूल न बनना, जो चुभ जाए।
ना इतनी कमजोर तू बनना,
छीन कोई मुझसे ले जाए,।
चढ़ने बड़े पहाड़ हैं तुझको,
अभी तो यह अंगड़ाई है।।

क्यों चिराग है बेटा घर का,
बेटी बोझ कहाती है।
दोनों में पर अन्तर क्या है,
बात समझ ना आती है।
बेटे से ना कम है बेटी,
अब लड़नी यही लड़ाई है।।

रचना- पूनम गुप्ता"कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर
ब्लॉक धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 26.03.2021 -दिन- शुक्रवार

1774

जन्म दिवस- महादेवी वर्मा

26 मार्च 1907 को जन्मी,
फरुखाबाद जन्म स्थली।
प्रतिभावान सशक्त कवयित्री,
हिंदी साहित्य युग छायावादी।।

लघुकथा लेखिका, उपन्यासकार,
रचना यम, पथ के साथी,मेरा परिवार।
देखा भारत आजादी के पहले और पार,
रचनाओं में भरा स्नेह, करुणा, श्रृंगार।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

महिलाओं के प्रति चेतना की उत्प्रेरक,
सबके मन की पीड़ा जाने थी समाज सुधारक।
पाठकों के समान हुए प्रभावित समीक्षक,
हिंदी में की समाहित बंगला और संस्कृत।।

ध्रुव के तारे की तरह महादेवी वर्मा प्रकाशमान,
पाए पद्मभूषण, ज्ञानपीठ,पद्मविभूषण सम्मान।
आधुनिक मीरा, हिंदी की सरस्वती थे उपनाम,
मृत्यु हुई 11 सितम्बर 1987 इलाहाबाद धाम।।

रचना-
रीना (स० अ०)
प्रा० वि०- सालेहनगर
वि० क्षेत्र- जानी, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

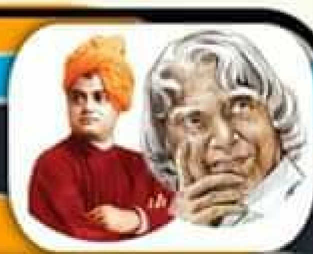

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-
26-03-2021 शुक्रवार

1775

रंगीली होली

कहीं गुलाबी कहीं है लाल,
फागुन आया उड़े गुलाल।
मीठी गुझिया मीठी बोली,
आओ मिलकर खेले होली।।

छोटी कही बड़ी पिचकारी,
कहीं फूल सी कही पे भारी।
गुब्बारे मे भरा कहीं रंग,
और कोई बैठा होकर तंग।।

गालों पर है छाई लाली,
सारी शक्ले है मतवाली।
कोई भी पहचान न पाये,
नाम किसी का जान न पाये।।

प्रेम की ओर बढाये पैर,
गले मिले सब मिटा के बैर।
दहन होलिका संग कर डाले,
राग-द्वेष जो मन में पाले ।।

रचना
दीपा गुप्ता (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय बराखेमपुर
बीकेटी, लखनऊ

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

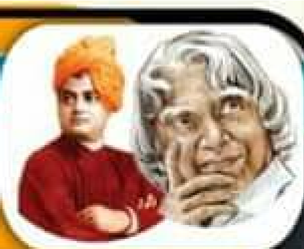

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 26/03/2021 -दिन- शुक्रवार

1776

जीवन हमारा

ये नदिया की धारा सा जीवन हमारा,
इसके दो किनारे हैं, दो पग हमारे।
यही है सिखाती, चलती ही जाती,
आगे ही बढ़ना कभी भी न रुकना।।

सूरज है आता उजाला है लाता,
झिलमिल किरणों से अँधेरा मिटाता।
यही है सिखाता किरणों से नाता,
कभी तुम ना बुझना यूँ ही चमकना।।

पर्वत खड़ा है, स्वाभिमानी बड़ा है,
बहारों में खेले, तूफानों को झेले।
यही है सिखाता, सभी को बताता,
सम्मान घटे न, कभी शीर्ष झुके ना।।

ये उड़ती पतंगें हैं, मन की उमंगें,
हवाओं मे झूले गगन को वो छूले।
यही है सिखाता पतंगों से नाता,
उठते ही रहना सदा वेगों में बहना।।

रचना
रश्मि शर्मा (स० अ०)
प्रा० वि० विशुन नगर
खैराबाद, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 26/03/2021 -दिन- शुक्रवार

1777

इन्द्रधनुष

आसमान में बादल छाए,
संग अपने बारिश लाए।
आसमान में सुन्दर धनुष,
कितना रंगीन-सुन्दर धनुष।।

कितना प्यारा रंग-बिरंगी,
देखो-देखो सुन्दर सतरंगी।
आसमान में बादल छाए,
रंगों का संगम फिर आए।।

देखो बच्चों इन्द्रधनुष,
कितना सुन्दर इन्द्रधनुष।
लाल, हरा, आसमानी, पीला,
संतरी, बैंगनी और नीला।।

सतरंगी और चमकीला धनुष,
देखो बच्चों यह इन्द्रधनुष।
सबके मन को भाता धनुष,
स्वप्न नगरी सा सजीला इन्द्रधनुष।।

रचना
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० ख़ंजनपुर
इस्लामनगर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 26-03-2021 -दिन- शुक्रवार

1778

राष्ट्रीय पुष्प कमल

तालाब, झील में खिल-खिल जाता,
राष्ट्रीय पुष्प कमल कहलाता।
सुन्दर प्यारा-प्यारा है,
राष्ट्रीय पुष्प हमारा है।।

देवी-देवताओं को खूब चढ़ाना,
हर मंदिर को इससे सजाना।
कीचड़ में यह खिल जाता है।
कमल सभी के मन को भाता है।।

रंग है इसके कई प्रकार,
सफेद, गुलाबी, नीला, लाल।
राष्ट्रीय पुष्प कमल कहलाता,
भारत से है इसका नाता।।

रचना :- संस्कृति मिश्रा (कक्षा- 6)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ (चित्रकूट)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

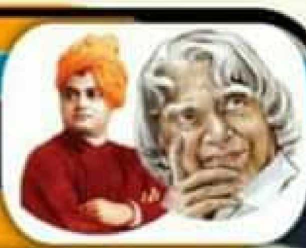

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 26.03.2021 -दिन- शुक्रवार

1779

बसन्त

आया है देखो बसन्त का मौसम,
देने प्रकृति को नए रंग।
दुल्हन सी सजी ये धरती,
अपने मन में नई उमंग है भर।।

बसन्त ऋतु लाए खुशियाँ अपार,
नए मौसम की ये नई बहार।
भौंरे तो अब फूलों पर मंडरायेंगे,
अब तो पेड़ों पर नए फल फूल लगेंगे।।

सरसों के पीले-पीले फूल खिलेंगे,
सर्वत्र पक्षी चहचहायेंगे।
कोयल मधुर वाणी में गायेगी,
किसान भाई नई नई फसलें उगायेंगे।।

झूमेंगे, नाचेंगे गायेंगे,
होली का त्योहार मनायेंगे।।

रचना-
राजवीर सिंह (छात्र)
कक्षा- 8
रा० उ० प्रा० वि० छत्तरपुर
रुद्रपुर, उधम सिंह नगर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

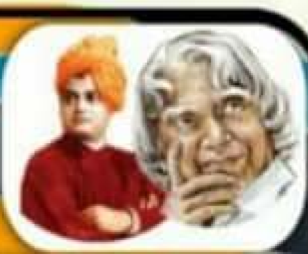

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 26.03.2021 -दिन- शुक्रवार

1780

मत कर दोहन मेरे जल का

इतना मेरा दोहन करके,
हे मानव तू अब तो सम्भल जा।
रोक ले मुझको व्यर्थ खर्च से,
अब ज्यादा तू भाव न खा।।

जीवन मैंने दिया है तुझको,
मुझसे अब तू पाप न करवा।
रोक ले मेरा व्यर्थ का दोहन,
मानव जाति का नाश न करवा।।

जंगल काट तूने बनायी बस्ती,
सोचा है मैं करूँगा मस्ती।
समझ जा बन्दे ना रहूँगा मैं तो,
मिट जायेगी तेरी हस्ती।।

अब भी समय है बचा ले खुद को,
नव जीवन दे दूँगा तुमको।
सफल हो गया याद करेगी,
आने वाली पीढ़ी तुमको।।

रचना-
हरीश कोठारी (स० अ०)
रा० उ० प्रा० वि० ग्वाड़ी
गंगोलीहाट, पिथौरागढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

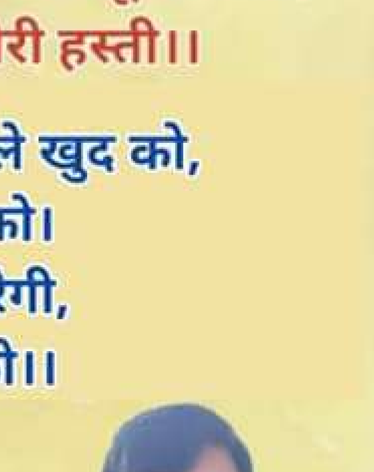

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

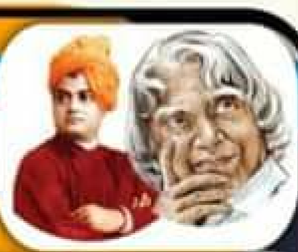

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27-03-2021 -दिन- शनिवार

1781

नारी शक्ति मैं बताऊँ,
उपलब्धि भी गिनाऊँ।
कभी छू लूँ आसमान,
कभी धरती पर लहराऊँ।।

कभी हारूँगी न,
मैं हरदम जीतूँगी।
पर उम्मीदों के खोल,
आसमान छू लूँगी।।

ऊँचे-ऊँचे पद पर बैठी,
नारी शक्ति है अनमोल।
सेवा,भक्ति और शक्ति,
फिर भी मीठे इसके बोल।।

बदलूँ दुनिया का विचार,
बदलूँ सारा मैं संसार।
अपनी ममता को सँवार,
बदलूँ अपना घर बार।।

रचना
अर्चना यादव (प्र०अ०)
प्रा० वि० परसू
सहार, औरैया।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

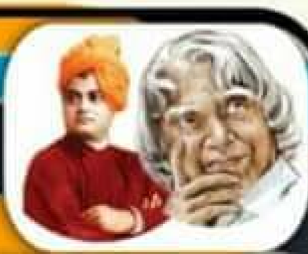

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-
27.03.2021, शनिवार

1782

जल संरक्षण

जल संरक्षित करके,
जीवन को बचाओ अब।
जल ही तो जीवन है,
यह बात सुनो बच्चों।।

जल पृथ्वी में सीमित,
जल है तो कल होगा।
है बूँद-बूँद जल की,
जीवन, प्यारे बच्चों।।

पेड़ों को लगाओ सब,
नदियों को बचालो अब।
जल संरक्षित करके,
उपयोग करो बच्चों।।

ये काम जरूरी है,
इस पर मंथन कर लो।
जल-संकट से पहले,
संचित कर लो बच्चों।।

रचना

सुनीता यादव (प्र०अ०)
प्रा० वि० फत्तेपुर मीराबेहड़
हरगाँव, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-
27.03.2021 शनिवार

1783

होली का त्योहार

हिरण्यकश्यप ने किया फरमान,
मुझको ही मानो भगवान।
हिरण्यकश्यप पुत्र प्रहलाद,
विष्णु भक्त परम महान।।

मृत्यु दंड को हुआ प्राप्त,
जब ना माना यह फरमान।
हिरणकश्यप बहन होलिका,
अग्नि देव चादर प्राप्त।।

जा बैठी ओढ़ी वो चादर,
गोद लिए भक्त प्रहलाद।
पवनदेव के पुण्य प्रताप से,
जली होलिका बचे प्रहलाद।।

इस कारण होली हम मनाते,
सब मिलकर करते आह्लाद।
आओ रंग गुलाल लगाएं,
हंसी-खुशी त्योहार मनाए।।

रचना - मोना शर्मा (स०अ०)
कंपोजिट विद्यालय पूठी किला
परीक्षित गढ़ (मेरठ)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

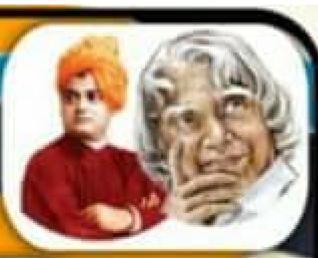

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27-03-2021 -दिन- शनिवार

1784

होली

चलो-चलो हम खेलें होली,
लाल-हरे और सब रंगों से।
सजती धरती जैसे सतरंगी,
सबको रंग दें बनाकर टोली।।

सबके मन में रंग भर देंगे,
दुखी न कोई पराया देंखे।
सबके मन खुश रंगीन बनाकर,
तब होगी खुशियों की होली।।

रंग-रंगीला प्यारा त्योहार,
धरती में भी फूलों की बहार।
पूरी धरती रंग-रंगीली,
आओ! हम सब खेलें होली।।

मिट जाये सब द्वेष हमारा,
छोटा-बड़ा न अपना पराया।
सब गले मिलें रंगों से खेलें,
सबका जीवन बन जाए रंगीला।।

रचना:-किरण जोशी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० मैखण्डी मल्ली
वि० ख०- कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

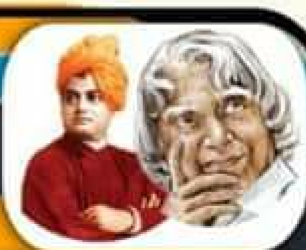

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27-03-2021 -दिन- शनिवार

1785

भारत में खनिज

बिहार, उड़ीसा M.P. में,
लोहा पाया जाता है।
ताँबा A.P., बिहार में,
बेचा खूब जाता है।।

मुक्त अवस्था में सोना,
कोलार खान कर्नाटक में।
M.P, C.G, बिहार, उड़ीसा,
एल्युमीनियम बहुतायत में।।

संगमरमर पाया जाता है,
M.P, राजस्थान में।
वैसे इसकी उपलब्धता,
सारे हिंदुस्तान में।।

रचना-
सुहानी गौतम कक्षा- 8 (छात्रा)
उ० प्रा० वि० चित्रवार,
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

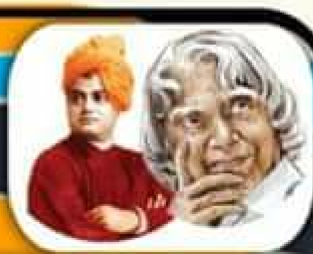

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27/03/2021 -दिन- शनिवार

1786

मेरा सपना

आओ बच्चों ! आज मैं तुम्हें सपने देखना सिखाती हूँ,
इसी बहाने आज मैं तुम्हें एक कविता लिखवाती हूँ।
तुम जो बनना चाहो वह व्यवसाय चुन लेना,
लेकिन बड़े होने तक थोड़ा मेरी सुन लेना।।

मैं चाहती हूँ मेरा हर एक बच्चा ऊँचे पद पर हो,
कोई डॉक्टर तो कोई सैनिक तो कोई आदर्श शिक्षक हो।
यह सपने मेरी आँखों के हैं जो तुम्हारी आँखों में भर दूँ,
तुम्हें प्रेरणा देकर मैं अपना यह फर्ज पूरा दूँ।।

मेरी इच्छा है कि तुम सपना बड़ा देखो,
उसे पूरा करने में एक पल ना रुको।
अगर शिक्षक बनों तुम तो आदर्श स्थापित करना,
अपने जैसे सौ शिक्षक तैयार तुम करना।।

कभी ना करो बाल मजदूरी,
तुम्हें बहुत आगे बढ़ना है।
हर व्यवसाय में मेरे बच्चे हों,
यह सपना पूरा करना है।।

रचना :
सविता (प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय नौदेई
डिबाई (बुलंदशहर)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

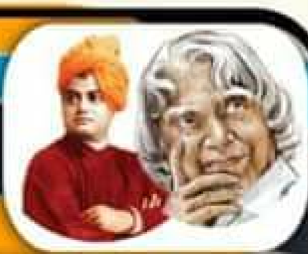

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-

27/03/2021 शनिवार

1787

जगमग तारे

कितने लगते प्यारे-प्यारे,
ये हैं जगमग न्यारे तारे।
टिम-टिम करते सारे तारे,
आसमान में गाते तारे।।

मेरे मन को भाते तारे,
सबको खूब लुभाते तारे।
जुगनू जैसे झिलमिल तारे,
रोज रात में इठलाते तारे।।

मैं जब मिलने जाऊँ छत पर,
आँख मिचौली खेलें तारे।
कोशिश चाहें लाख करूँ पर,
कभी न गिन मैं पाऊँ तारे।।

रात भर कैसे जागते तारे,
निशा के बनके साथी तारे।
भोर होने पर डर जाएँ तारे,
झटपट ही छिप जाएँ तारे।।

रचना
डॉ० रैना पाल (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) आमगांव,
जगत, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

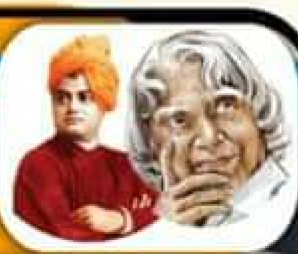

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27/03/2021 -दिन- शनिवार

1788

विश्व वानिकी दिवस

विश्व वानिकी दिवस है आज,
1971 से इसका किया आगाज।
मृदा और वन को बचायेंगे हम,
प्रदूषण को तब भगा पायेगें हम।।

चन्दन है इस देश की पवित्र माटी,
वनों को संरक्षित रखती आयी।
सोंधी-सोंधी खुशबू महकती,
फसल अनगिनत उगाती आयी।।

वन महोत्सव हर वर्ष मना रहे हैं,
अधिकतम पेड़ धरा पर उगा रहे है।
वन ही तो है जीवन का आधार,
बिना वन के देखो जैसै मरुधर थार।।

आओ कर लें संकल्प आज हम,
मिट्टी और वन को बचायेंगे हम।
चारों तरफ हरियाली ही होगी।
पर्यावरण को स्वच्छ बनायेंगे हम।।

रचना-
प्रियंका सक्सेना (स०अ०)
प्रा० वि० बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

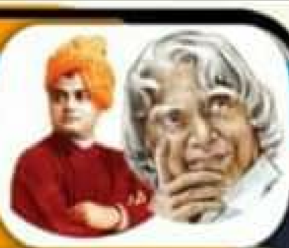

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27/03/2021 -दिन- शनिवार

1789

तितली रानी

तितली रानी तितली रानी,
कहो कहाँ से आई हो।
सुन्दर-सुन्दर पंख तुम्हारे,
उनमें रंग कहाँ से भर लाई हो।।

फूल-फूल पर बैठ-बैठ कर,
तुम इतना इतराती हो।
बच्चों संग लुका-छुपी खेल कर,
तुम झट से उड़ जाती हो।।

तरह-तरह के फूलों पर,
तुम इतना मंडराती हो।
सुन्दरता का रंग बिखेर कर,
बच्चों का जी ललचाती हो।।

रंग-बिरंगे पंखों वाली,
तुम कितनी कोमल हो।
फूलों का रस पीने वाली,
सबके मन के भाने वाली हो।।

रचना
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27-03-2021 -दिन- शनिवार

1790

होली आई

होली आई, होली आई,
रंग बिरंगी होली आई।
बच्चों की होली है,
गली-गली रंगोली है।।

बाँसुरी की धुन पर,
बच्चों की टोली चली।
ढोलक मृदंग बाजे,
पैरों के घुंघरू बाजे।।

फाल्गुन का स्कूल लगाए,
गुन-गुन भौंरा पाठ पढ़ाए।
भौंरा गाये फाल्गुन जो आया,
तितली नाचे होली का रंग लाया।।

पक्षियों ने ली है अँगड़ाई,
डाल आम की है बौराई।
सखियाँ नाचे फाल्गुन जो आया,
रंग भरा मन बड़ा ही हर्षाया।।

रचना:-
दीपिका चौसाली(स०अ०)
रा० प्रा० वि० विरकाणा,
ब्लॉक-कनालीछीना, पिथौरागढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

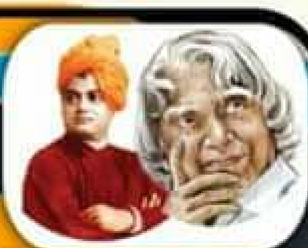

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27/03/2021 -दिन- शनिवार

1791

होली आयी रे..

होली आयी, होली आयी,
रंगों की न्यारी छटा बिखरायी।
उड़े गुलाल, अबीर चहुँ ओर,
खुशियों की उमंग है छायी।।

पिचकारी संग खेलें होली,
बच्चों ने है धूम मचायी।
माँ ने हैं पकवान बनाये,
पापा लेकर आये मिठाई।।

एक-दूजे को रंग रहे हैं,
मिलकर सब बहन-भाई।
होली है त्यौहार अनोखा,
भेदभाव सब देता भुलाई।।

रंग-बिरंगे चेहरों को देखो,
रंगों ने सबकी पहचान छुपायी।
एक-दूजे से गले मिलें और,
गुलाल लगाकर देते बधाई।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27-03-2021 -दिन- शुक्रवार

1792

होली के रंग

सबको गले लगाओ,
खुशियों को फैलाओ।
भेदभाव और बैर मिटाकर,
सबको रंग लगाओ।।

मीठी-मीठी गुझिया, खुर्मी,
हर घर को महकाएगी।
हाथों में पिचकारी लेकर,
बच्चों की टोली आएगी।।

लाल, पीले, हरे, बैंगनी,
सबको रंग लगाएँगे।
होली का गुलाल लगा जो,
चेहरे खिल-खिल जाएँगे।।

रंगो का त्योहार यह होली,
देता हमको सन्देशा।
प्यार के रंगो में रंग जाओ,
मिलकर रहो हमेशा।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27/03/2021 -दिन- शनिवार

1793

देखो होली आई

देखो-देखो होली आयी,
रंगों की सौगात है लायी।
मट्ठी, मठरी और समोसें,
गुझियों की मिठास है लायी।।

बच्चों के चेहरे खिल जाते,
बूढ़े भी बच्चे बन जाते।
एक-दूजे को गले लगा कर,
दुश्मन भी दोस्त बन जाते।।
रंगों की इस रंगोली में,
रिश्तों की सौगात है लायी...

चाहे नर हो या नारी,
होली लगती सबको प्यारी।
लौंग, इलायची, कपूर जलाकर,
दूर करो सारी बीमारी।।
सारे गमों को मिटा कर,
खुशियों की बारात है लायी...

पीकर प्यार की मीठी भंग,
दूर करो सब, दिलों की जंग।
हिन्दू-मुस्लिम-सिक्ख-ईसाई,
कर दे सब को रंगारंग।।
लाल, गुलाबी, पीले, नीले,
रंगों की बरसात है लायी...

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27/03/2021 -दिन- शनिवार

1794

खेल बहुत जरूरी

आओ बच्चों एक बताऊँ,
आज तुम्हें मैं खेल खिलाऊँ।
पढाई-लिखाई के साथ साथ
खेलों का मैं महत्व बताऊँ।।

बाहर खेलो तो आउटडोर कहलाते,
क्रिकेट, हॉकी, बैडमिंटन इसमें आते।
भीतर खेलें तो इनडोर कहलाते,
शतरंज, लूडो, कैरम इसमें आते।।

खेल खेलने के फायदे हैं बडे,
तन और मन अच्छे हैं बनते।
खेलों मे भी नाम कमाकर,
महान खिलाड़ी बच्चे बनते।।

आओ चलो अब खेलें हम,
खेल खेलना बहुत जरूरी।
हार-जीत की बात न सोचें,
जान लगा दें हम बस पूरी।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
क्षेत्र व जनपद- बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27.03.2021 -दिन- शनिवार

1795

खुशियों का त्योहार है होली

रंगबिरंगे रंगों का त्योहार है होली,
अबीर और गुलाल का त्योहार है होली।
खुशियों और उल्लास का त्योहार है होली,
प्रेम और भाईचारे का त्योहार है होली।।

धार्मिक निष्ठा,उत्सव और मनोरंजन है होली,
रंग खेलना, गाना बजाना और हुड़दंग है होली।
बच्चों का मनपसंद त्योहार है होली,
गुझिया, पापड़ और मिठाई से भरपूर है होली।।

धुलेंडी, धुरड्डी, धुरखेल और धूलिवंदन,
अनेकों नाम से जानी जाती है होली।
बसंत ऋतु के आगमन का संदेश है होली,
कटुता भुला प्रेम का आरंभ है होली।।

पुराणों और साहित्यों में वर्णित है होली,
पुरातन भारतीय संस्कृति की पहचान है होली।
उल्लास,मिठास और संपन्नता का प्रारंभ है होली,
उमंग, उत्साह और खुशबू का रिवाज है होली।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना~डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- -दिन-
27/03/2021 शनिवार

1796

अक्षर का खेल

आओ बच्चों! तुमको एक,
जादू सिखाते हैं।
एक ही शब्द से कई,
पर्यायवाची बनाते हैं।।
तीन शब्द है बच्चों,
नीर,जल और वारि।
ये तीनों है पानी के,
पर्यायवाची बारी-बारी।।

इन तीनों के अन्त में,
अगर हम 'ज' है लगाते।
तो ये तीनों कमल के,
पर्यायवाची है बन जाते।।

इन तीनों के अन्त में,
यदि हम 'द' है लगाते।
तो ये तीनों बादल के,
पर्यायवाची है बन जाते।।

रचना:- भावना शर्मा(प्र०अ०)
प्रा०वि०नारंगपुर,
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27.03.2021 -दिन- शनिवार

1797

होली की धूम

होली की शुभ घड़ी आयी,
सबके मन में उमंगें लायी।
रंगों की धूम मचायी,
गुजिया जी भर के खायीं।।

खेले देवरानी-जिठानी,
मिले गले सभी भाई-भाई।
खेले सभी सखी-सहेली,
गुलालों से भरी है थाली।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

भर-भर कर रंग पिचकारी,
बच्चों ने एक-दूजे पर डाली।
गूँजे हर गली में किलकारी,
होली खेले दुनिया सारी।।

घर-घर में खुशियाँ छायीं,
पकवानों की खुशबू आयीं।
सबके संकट संग ले गयी,
खुद जलकर होली माई।।

रचना- रीना (स० अ०)
प्रा० वि०- सालेहनगर
वि० क्षेत्र- जानी, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

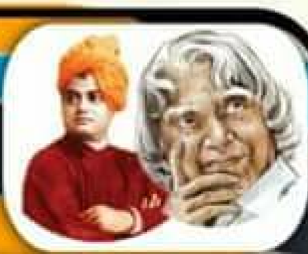

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27.03.2021

-दिन- शनिवार

1798

प्रेम सौहार्द की होली

होली है मनभावन आयी,
रंगों की बहार छायी।
ब्रज में मची धूम भक्तों की,
रंगे चेहरों की टोली आयी।।

मन्दिर द्वारिकाधीश में देखो!
फूल व अबीर-गुलाल बिखरा।
केशवदेव, श्री बाँकेबिहारी की छटा,
निहारने को जन-जन उमड़ा।।

ब्रज मण्डल की होली न्यारी,
चारुकुला नृत्य करें ब्रज की नारी।
सजी-धजी घूम गुलाल लगातीं,
लठ्ठ बरसातीं, मार भगातीं।।

प्रेम, सौहार्द के रंगों से भरी होली,
खेलें बन कृष्ण आँख मिंचोली।
गुझिया, काँजी और ठण्ड़ाई,
होली खेल-खेल सभी के मन भाई।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27.03.2021 -दिन- शनिवार

1799

ब्रज की होली

होली का त्योहार है आया,
रंगों की बौछार है लाया।
अनुपम ये त्योहार हमारा,
हरषित है त्रिभुवन ये सारा।।

रंगों की बौछार हो रही,
गुझियों की भरमार हो रही।
पिचकारी की धूम मची है,
मेंहदी सी हर ओर रची है।।

बृज की होली सबसे न्यारी,
चर्चित है दुनिया में सारी।
राधा कृष्ण के रंग में रंग कर,
झूम रहे हैं सब नर-नारी।।

बरसाने की गली रंगीली,
ग्वालिन कैसी छैल-छबीली।
लठ्ठों की जब पड़ती मार,
होली का तब चढ़े बुखार।।

रचना- ब्रजराज सारस्वत (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- गोपालगढ़
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

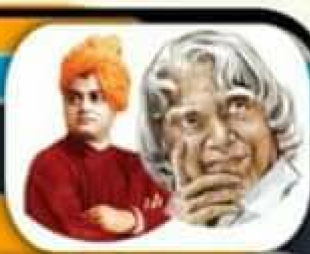

काव्यांजलि दैनिक सृजन

-दिनाँक- 27/03/2021 -दिन- शनिवार

1800

मेरा परिवार

'प' से पापा होता है,
'म' से मम्मी होती है।
दोनों से ही होता,
मेरे जीवन का नाता।।

'द' से दादा होते है,
'द' से दादी होती है।
दोनों से है अति गहरा नाता,
पापा के है जो मम्मी-पापा।।

'च' से चाचा होता है,
'च' से चाची होती है।
छोटे भाई पापा के होते,
उनकी पत्नी साथ में होती।।

'ब' से बड़े पापा भी होते,
'ब' से बड़ी मम्मी भी होती।
जो पापा के बड़े भाई होते,
साथ में उनकी पत्नी होती।।

रचना
सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

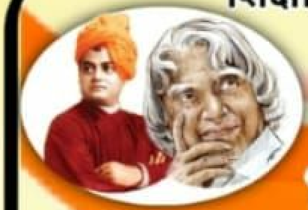

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

साभार:

राज कुमार शर्मा

नवीन पोरवाल

नैमिष शर्मा

जितेन्द्र कुमार

हेमलता गुप्ता

टीम काव्यांजलि सृजन

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429